TC No. MAHHIN10161

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

पंछी कभी अपने बच्चों के भविष्य के लिये घोंसले बनाकर नहीं देते, वे तो बस उन्हें "उड़ने" की कला सिखाते हैं..

मलाड के सुप्रसिद्ध
अशोक खमण हॉउस

शादी, त्योहारों के शुभ अवसर पर ऑर्डर बुक किया जाता है।

शॉप नं.12, देवडा बिल्डींग, नीयर रेल्वे स्टेशन, रानीसती मार्ग, मलाड (पूर्व) मुंबई-97
मो.: 9322299583

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-15 ❖ मुंबई ❖ रविवार 05 से 11 अप्रैल 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
महाराष्ट्र में 14 अप्रैल के बाद भी जारी रहेगा लॉकडाउन, स्वास्थ्य मंत्री ने दिए संकेत

पेज 5
सभी डीएम-एसपी नागौर से सीखें, तोड़ दिया कोरोना का चक्रव्यूह!

पेज 7
वीडियो कॉल पर डांस प्रैक्टिस कर रही हैं माधुरी दीक्षित

पेज 8

पाक को करारा जवाब, कश्मीर पर 'अनर्गल' बयान न दें इमरान

महाराष्ट्र में लॉकडाउन हटेगा या नहीं, यह लोगों पर निर्भर करेगाः उद्धव ठाकरे

- महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा- लॉकडाउन खुलने का फैसला लोगों पर निर्भर करेगा
- 'सरकार के दिशानिर्देशों का लोग कितना पालन करते हैं, इसके आधार पर ही कोई फैसला लेंगे'
- उद्धव ने कहा- अगले आदेश तक राजनीतिक, धार्मिक या खेलकूद से जुड़े कार्यक्रमों की इजाजत नहीं

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा है कि 14 अप्रैल के बाद भी राज्य में लॉकडाउन का हटना या नहीं हटना लोगों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के दिशानिर्देशों का लोग कितना पालन करते हैं, इसके आधार पर ही कोई फैसला लिया जाएगा।

सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि लॉकडाउन हटाने के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। गौरतलब है कि देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन की अवधि 14 अप्रैल को समाप्त हो रही है। हालांकि कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। देश में कोरोना मरीजों की संख्या 3 हजार पार कर चुकी है, जबकि महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या 500 के पार हो गई है। सीएम उद्धव ने बताया कि कोरोना वायरस के खतरे को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में अगले आदेश तक राजनीतिक, धार्मिक या खेलकूद से जुड़े कार्यक्रमों की इजाजत नहीं होगी। इसके साथ ही सीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक अलगाव के मैसेज फैलाने वालों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा।

लॉकडाउन खोलने पर बोले यूपी के सीएम योगी.....

बता दें कि उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ भी 14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन खुलने को लेकर बोल चुके हैं। उन्होंने कहा था कि लॉकडाउन खुलने की स्थिति में हालात बहुत ही चुनौतीपूर्ण होंगे। कोरोना के संक्रमण को देखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। ऐसे में चरणबद्ध तरीके से इस पर योजना बनाकर ही काम करेंगे। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया- कोरोना पॉज़िटिव मामले बढ़ने की उम्मीद, 5,000 लोग किए गये क्वॉरंटीन

गया है। टोपे ने कहा कि 5,343 लोगों की पहचान उच्च-जोखिम वाले संपर्कों के रूप में की गयी है, क्योंकि वे राज्य में 162 Covid-19 पॉज़िटिव रोगियों के साथ निकट संपर्क में थे। मंत्री ने कहा, 'हमने इन उच्च-जोखिम वाले लोगों को समझा दिया है, क्योंकि वे संक्रमित होने की संभावना रखते हैं या कोरोना वायरस संक्रमण के वाहक हो सकते हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि आने वाले दिनों में राज्य में और अधिक कोरोना वायरस पॉज़िटिव मामले सामने आ सकते हैं।

जमातियों को तो गोली से उड़ा देना चाहिएः राज

- एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को तबलीगी जमात को लेकर विवादित बयान दिया
- ठाकरे ने कहा, महिला स्टाफ के साथ अभद्रता करने वाले जमातियों को गोली मार देना चाहिए
- उन्होंने कहा, जमातियों को इलाज की क्या जरूरत है, उनका तो इलाज भी रोक देना चाहिए

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने तबलीगी जमात के लोगों को लेकर शनिवार को विवादित बयान दिया है। कोरोना के संदेह में क्वारंटीन किए गए जमातियों के महिला मेडिकल स्टाफ के साथ कथित अभद्रता पर प्रतिक्रिया देते हुए ठाकरे ने कहा कि ऐसे लोगों को गोली मार देना चाहिए। उन्होंने ऐसे लोगों का इलाज रोकने की भी बात कही, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मसले पर चुप्पी तोड़ने के लिए कहा। ठाकरे ने एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं।

ठाकरे ने मीडिया को बताया, 'दिल्ली के निजामुद्दीन के मरकज में यह मीटिंग (तबलीगी जमात) हुई। लॉकडाउन के वक्त जमात के इस जमावड़े से कोरोना से जंग को नुकसान पहुंचा।

ऐसे लोगों को तो गोली मारकर खत्म कर देना चाहिए। उन्हें भला इलाज की क्या जरूरत? एक अलग कानून बनाकर उन लोगों का इलाज रोक देना चाहिए। यदि वे सोचते हैं कि उनका धर्म देश से बड़ा है और वे कुछ साजिश कर रहे हैं...वे लोगों पर थूक रहे हैं...वे नर्सों से अभद्रता कर रहे हैं...तो उन्हें सबक सिखाने की जरूरत है। ऐसे लोगों को तो बुरी तरह पीटकर वीडियो वायरल कर देना चाहिए।'

एमएनएस चीफ ने कहा, 'यह वक्त किसी धर्म पर बहस करने का नहीं है, लेकिन मुस्लिमों से यदि कुछ ऐसा कर रहे हैं तो उनपर कार्रवाई की जरूरत है। उन्हें समझने की जरूरत है कि लॉकडाउन कुछ दिनों के लिए ही है। इसके बाद वहां हमलोग होंगे।'

शरद पवार की अपील, 'शब-ए-बारात पर घर पर ही रहें मुसलमान, आंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम भी टालें'

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने कोरोना वायरस के मद्देनजर गुरुवार को मुस्लिम समुदाय से शब-ए-बारात पर घरों में रहकर इबादत करने का आग्रह किया। साथ में डॉ. बीआर आंबेडकर की जयंती के मौके पर होने वाले कार्यक्रमों को भी स्थगित करने का अनुरोध किया। पवार ने कहा कि गुरुवार को मनाई जा रही रामनवमी पूरे देश में हर साल धूमधाम से मनाई जाती है। पवार ने फेसबुक के जरिए किए गए संबोधन में कहा, 'दुर्भाग्य से, इस साल कोरोना वायरस का खतरा है और हमें कुछ पाबंदियों का पालन करना है लेकिन मुझे यकीन है कि लोग अपने घरों के अंदर भगवान राम को याद कर रहे होंगे।' पवार ने दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम पर कहा, 'यह कार्यक्रम करने से बचना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया और शायद इसकी कीमत दूसरों को चुकानी पड़े।' एनसीपी चीफ ने कहा कि इस बात की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है कि कार्यक्रम में शामिल कुछ लोग संक्रमित हो सकते हैं। उन्होंने कोविड-19 की वजह से उपजी स्थिति को देखते हुए अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया। पवार ने कहा कि शब-ए-बारात (मगफिरत या गुनाहों की माफी की रात) 8 अप्रैल को है। इस रात को मुसलमान दुनिया से जा चुके अपने रिश्तेदारों को याद करते हैं और कब्रिस्तान जाते हैं। यह घर में रहकर मनाना चाहिए। निजामुद्दीन जैसी घटना ना हो, इसके लिए एहतियात बरतनी चाहिए। आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम भी टालेंः पवार संविधान निर्माता आंबेडकर की 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली जयंती पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को आंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को टालने पर विचार करना चाहिए। पवार ने कहा, 'हम सामान्य तौर पर इसे (जयंती को) दो या तीन महीने मनाते हैं। हमें सोचना चाहिए कि हमें क्या वाकई इस मौके (कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए) पर इस कार्यक्रम को मनाना चाहिए?' उन्होंने कहा कि अगर हम एक साथ जुटे तो हमें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र में कोरोना के 335 केसेज पवार ने बताया कि सामान्य तौर पर, 90 प्रतिशत लोग लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं, लेकिन 10 प्रतिशत लोग ऐसा नहीं कर रहे हैं। पवार ने कहा कि 14 अप्रैल (लॉकडाउन लागू रहने की तारीख) तक अनुशासन का पालन नहीं किया गया तो केंद्र और महाराष्ट्र सरकार इस बंद को आगे बढ़ा सकती है। बता दें कि महाराष्ट्र भारत में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला राज्य है। यहां अभी तक 335 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 42 रिकवर हुए हैं और 13 की मौत हो गई है।

फडणवीस ने राशन आपूर्ति के अलग-अलग आदेशों पर सवाल उठाए

मुंबई, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि खाद्यान्न वितरण को लेकर महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी दो अलग-अलग आदेशों से सार्वजनिक वितरण(पीडीएस) वाली दुकानों के मालिकों और लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। महाराष्ट्र के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने पिछले सप्ताह कहा था कि सभी राशन कार्ड धारकों को एक बार में ही अगले तीन महीने का खाद्यान्न आपूर्ति की अनुमति दी जाएगी। सरकार ने बाद में इसमें आने वाली समस्यायों का हवाला दते हुए इस फैसले को बदल कर दूसरा आदेश दिया। फडणवीस ने ट्वीट किया, 'राज्य सरकार द्वारा जारी दो अलग-अलग आदेशों के कारण राशन दुकान मालिकों के बीच भारी भ्रम पैदा हो गया है और लोगों को असुविधा हो रही है।' उन्होंने कहा, 'एक आदेश में तीन महीने के लिए राशन देने के लिए कहा गया और दूसरे में मासिक आधार पर खाद्यान्न वितरम की बात कही जा रही है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने स्पष्ट रूप से कहा है कि लोगों को एक बार में ही तीन महीने का राशन मुफ्त में मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरा महाराष्ट्र सरकार से अनुरोध है कि वे इस भ्रम को दूर करें।'

कोविड-19: घर बैठे लक्षणों की जांच करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की ऑनलाइन पहल

महाराष्ट्र सरकार ने अपोलो 24x7 के साथ मिलकर एक ऑनलाइन पहल शुरू की है, जो **https://covid-19.maharashtra.gov.in/** पर उपलब्ध है। सरकार ने एक डिजिटल मंच तैयार किया है, जिसमें लोग घर बैठे ही अपने लक्षणों की जांच कर सकते हैं और किसी भी तरह की आशंका होने पर अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं।

मुंबई, महाराष्ट्र में कोविड-19 के 400 से अधिक मामले सामने आने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने वायरस के खिलाफ लड़ाई तेज करते हुए एक ऐसी ऑनलाइन पहल शुरू की है, जिससे लोग घर बैठे स्वयं कोरोना वायरस के लक्षणों के आधार पर जांच कर सकते हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार सरकार ने एक डिजिटल मंच तैयार किया है, जिसमें लोग घर बैठे ही अपने लक्षणों की जांच कर सकते हैं और किसी भी तरह की आशंका होने पर अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं। राज्य सरकार ने अपोलो 24x7 के साथ मिलकर एक ऑनलाइन पहल शुरू की है, जो https://covid-19.maharashtra.gov.in/ पर उपलब्ध है। विज्ञप्ति में कहा कि त्वरित चिकित्सा परामर्श और अन्य संबंधित संपर्कों की जानकारी भी लिंक पर उपलब्ध है। डब्ल्यूएचओ और भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़े मामूली लक्षण होने पर खुद को दूसरों से पृथक करने और तबियत बिगड़ने पर अस्पताल से सम्पर्क करने को कहा गया है। इसमें कहा गया कि इस ऑनलाइन टूल की मदद से अधिकारी कोरोना वायरस संक्रमण के तीव्र लक्षणों वाले लोगों की खबर रख सकेंगे।

जमातियों के दुर्व्यवहार पर सीएम योगी सख्त, कहा- कानून का पालन करना सिखारंगे

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद के हॉस्पिटल में आइसोलेशन में रखे गए तबलीगी जमात के लोगों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार पर सख्त रूख अपनाया है। सीएम योगी ने मामले में कड़ी कार्रवाई के आदेश देते हुए कहा कि ऐसी प्रवृत्ति के लोगों के साथ पूरी सख्ती बरती जाएगी और उन्हें कानून का पालन करना सिखा देंगे। मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद की घटना पर संज्ञान लेते हुए कहा, 'कानूनन जो भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी हो वो करिए। गाजियाबाद में जिन लोगों ने ये हरकत की, उस प्रवृत्ति के लोगों के साथ पूरी सख्ती करो और उन्हें कानून का पालन कराना सिखाओ।' बता दें कि गाजियाबाद के एमएमजी में भर्ती जमातियों के द्वारा लगातार अस्पताल स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया। ये लोग नर्सों के सामने ही बदलने के लिए कपड़े खोल देते हैं। अश्लील हरकत करने और बीड़ी-सिगरेट मांगे जाने की भी शिकायत की गई थी।

'इंसेफेलाइटिस से जीते, अब कोरोना को भी हराएंगे'

उन्होंने कोरोना वायरस के खिलाफ जारी जंग के बारे में कहा, 'जैसे इंसेफलाइटिस से लड़कर जीते, वैसे ही कोरोना से लड़कर जीतेंगे। यही नहीं हमें आगे की भी चुनौती की तैयारी रखनी है, ताकी इस तरह की किसी भी आपदा से हम अपने प्रदेश के लोगों को पूरी तरह सुरक्षित रख सकें। लैब और इंफ्रास्ट्रक्चर को खूब मजबूत रखना है।'

अब जमातियों के साथ केवल पुरुष कर्मचारी रहेंगे मौजूद

गाजियाबाद में नर्सों के साथ अभद्रता के बाद बड़ा फैसला लिया गया है। अब तबलीगी जमात के लोगों की चिकित्सा एवं सुरक्षा में महिला स्वास्थ्यकर्मी और महिला पुलिसकर्मी नहीं लगाई जाएंगी। केवल पुरुष कर्मचारी ही मौजूद रहेंगे।

योगी बोले- इंदौर जैसी घटना अगर हुई तो.....

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मध्य प्रदेश के इंदौर में मेडिकल टीम के साथ हुए दुर्व्यवहार के जैसा मामला अगर होता है तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इंदौर के टाटपट्टी बाखल इलाके में कोरोना के संदिग्ध मरीजों की जांच करने गई मेडिकल टीम पर पत्थरबाजी हुई। उनके साथ मारपीट की गई। मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। वीडियो के आधार पर सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। बाकियों की तलाश हो रही है। कलेक्टर साहब ने कहा कि जो हमलावर थे, उन्हें लंबे समय तक जेल में रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'यूपी के 23 करोड़ लोगों को हर तरह की आपदा से लड़ने और उनकी हिफाजत के लिए खुद को पूरी तरह आत्मनिर्भर करना है।' अब तक यूपी में कोरोना से संक्रमण के 113 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 2 लोगों की मौत हो चुकी है। गोरखपुर और मेरठ में एक-एक व्यक्ति की मौत संक्रमण की वजह से हुई। शुरुआत से ही तबलीगी जमात के कोरोना संदिग्ध स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग करने की बजाय उनसे बदसलूकी कर रहे हैं। दिल्ली में स्वास्थ्यकर्मियों के ऊपर थूकने और आइसोलेशन सेंटर में जानबूझकर हंगामा खड़ा करने का मामला सामने आ चुका है। वहीं, बिहार में तबलीगी जमात के लोगों की तलाश को गई टीम पर हमला भी किया गया। निजामुद्दीन से देशभर में फैले जमाती दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में हुए तबलीगी जमात के कार्यक्रम के बाद देश में कोरोना के हजारों मामले सामने आने की आशंका जताई जा रही है। इसमें से अभी तक लगभग 400 कोरोना संक्रमित लोग पाए जा चुके हैं। निजामुद्दीन मरकज से 2 से 3 हजार लोगों को निकाला जा चुका है।

व्यापक टेस्टिंग से ही हो पाएगा बचाव

दुनिया भर में कोरोना वायरस से संक्रमण के दस लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं और 53 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह हाल तब है जब बीमारी अपने चढ़ाव पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि आगे स्थिति और भयावह होने वाली है।अमेरिका में दो लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं और 5,000 से ज्यादा की मौत हो चुकी है। जर्मनी की हालत भी खराब ही कही जाएगी लेकिन वहां मृत्यु दर काफी कम है। शुक्रवार की सुबह वहां कुल 84,794 मामले दर्ज थे जबकि मौतें 1,107 ही हुई थीं। पड़ोस के इटली में कुल मामले 115,242 (डेढ़ गुने से कम) हैं, जबकि मौतें 13,915 (दस गुनी से ज्यादा) हुई हैं। आंकड़ों से जाहिर है कि लोगों की जान बचाने में जर्मनी बाकियों से कहीं बेहतर है। इसकी वजह वहां व्यापक टेस्टिंग और संक्रमित पाए गए लोगों को सख्ती के साथ समाज से अलग कर देना बताई जा रही है। भारत इस

बीमारी से अपने तरीके से लड़ रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हमारी कोशिशों की तारीफ की है। कोविड-19 को लेकर उसके विशेष प्रतिनिधि डॉ. डेविड नवारो ने यहां लॉकडाउन को सही समय पर उठाया गया कदम बताते हुए कहा कि अमेरिका और ज्यादातर यूरोपीय देशों की सरकारें काफी समय तक टालमटोल करती रहीं लेकिन भारत में इस पर तेजी से काम हुआ। बहरहाल, इस तारीफ से संतुष्ट होने की कोई गुंजाइश हमारे सामने नहीं है। हमारे डॉक्टरों, नर्सों और बाकी मेडिकल स्टाफ के पास सुरक्षा के जरूरी उपकरण नहीं हैं। उन्हें अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में काम करना पड़ रहा है। कहीं मकान मालिक उन्हें घर से निकाल रहे हैं तो कहीं जांच को लेकर उन पर हमले हो रहे हैं। यही नहीं, जब वे अपने लिए सुरक्षा उपकरणों और अन्य सुविधाओं की मांग करते हैं तो प्रशासन की ओर से उन्हें कार्रवाई की धमकी मिलती है।

याद रहे, कोरोना से लड़ने वाले असली योद्धा वे ही हैं। इस महामारी से हमारी लड़ाई का अंतिम नतीजा उनके मनोबल और कौशल से ही निकलेगा। लॉकडाउन से हमने बीमारी फैलने की रफ्तार घटा दी है लेकिन बात सिर्फ इसी से नहीं बनने वाली। हमें और तरीके भी अपनाने होंगे। टेस्टिंग में जर्मनी की बराबरी करना हमारे लिए कठिन है लेकिन देर-सबेर रास्ता वही पकड़ना होगा। बाकी देशों में जहां सिर्फ कोरोना के लक्षण वाले लोगों का टेस्ट किया जा रहा है, वहीं जर्मनी में हर किसी का टेस्ट हो रहा है। भारत में टेस्ट का हाल यह है कि यहां प्रति करोड़ आबादी पर सिर्फ 56 लोगों का टेस्ट हुआ है, जो दुनिया में सबसे कम है। ऐसे में डर इस बात का है कि हमारी 130 करोड़ आबादी में कुछ हजार लोग लॉकडाउन में रहते हुए भी अनजाने में वायरस न फैला रहे हों।

जरूरी चीजें बनाई जाएं

प्रकाश मोल्या

देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 2000 का आंकड़ा पार कर गई है। रोजाना इसमें जिस रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है वह चिंताजनक है। सवाल है कि संकट से निपटने में हमारे अब तक के उपाय कुछ कारगर भी हुए हैं या कुछ अच्छा हो जाने की उम्मीद में ही हम सब कुछ करते जा रहे हैं। यह सही है कि देश भर में सारे इंतजाम यथासंभव तेजी से किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में क्वारंटीन सेंटर बनाए गए हैं। जरा भी शक पर लोगों को आइसोलेशन में भेजा जा रहा है। कई लोग ठीक होकर घर भी आ चुके हैं। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि हमारे पास इस महामारी से लड़ने के लिए जरूरी साधनों का घोर अभाव है। डॉक्टर, नर्स और दूसरे मेडिकल स्टाफ दिन-रात देखे बगैर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं लेकिन उन्हें सुरक्षा उपकरणों की किल्लत भी झेलनी पड़ रही है। इसके चलते न सिर्फ बीमारी से निपटना मुश्किल हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों के सामने जान का खतरा मंडरा रहा है। जैसे, अभी बहुत बड़ी तादाद में एन 95 मास्क की जरूरत है, पर सामान्य मास्क तक पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। कई जगहों पर डॉक्टरों को अपने गाउन 2-3 दिन तक लगातार इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं, जो बहुत खतरनाक है। हास्यास्पद बात यह कि कुछ

अस्पतालों में उन्हें रेनकोट और हेल्मेट थमाकर कोरोना मरीजों का इलाज करने को कह दिया गया है। जहां-तहां नर्सेज को ग्लव्स और सैनिटाइजर की किल्लत झेलनी पड़ रही है। मुंबई के एक अस्पताल में सुरक्षा उपकरण के नाम पर एचआईवी सुरक्षा उपकरण थमा दिए गए। सरकार का कहना है कि उसने विदेश से भारी मात्रा में उपकरण मंगाने का ऑर्डर दे रखा है। लेकिन उसकी डिलीवरी कब होगी, यह स्पष्ट नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक महीना लग सकता है। जरूरत इस बात की है कि अमेरिका की तरह देश की कुछ बड़ी कंपनियों को उनकी विशिष्टता का मामूली सा ध्यान रखते हुए कम से कम समय में वेंटिलेटर जैसे जीवन रक्षक उपकरण, सुरक्षा सामग्री और जांच किट बनाने का काम सौंप दिया जाए। इसके लिए उनके स्टाफ को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। युद्धकाल में ऐसा होता है और आज के हालात लगभग वैसे ही हैं। इसके साथ ही हमें यह भी याद रखना होगा कि कोरोना के कारण अन्य मरीजों की उपेक्षा न हो। देश के कई अस्पताल बाकी मरीजों को बाहर से ही लौटा दे रहे हैं। ज्यादातर जगहों पर बच्चों का टीकाकरण रुक गया है। यह नहीं होना चाहिए, वरना देश के सामने एक नया संकट खड़ा हो जाएगा। लॉकडाउन का एक हफ्ता बीतने के साथ ही लोगों के सामने आटा-दाल का संकट भी शुरू हो गया है। ऐसे में सरकार को सोशल डिस्टैंसिंग के साथ-साथ कुछ जरूरी चीजों की मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित करने की व्यवस्था बनानी होगी।

थूककर कोरोना फैलाने वालों, तुम्हारी पीढ़ियां तुम्हारे कुकर्मों की सजा भुगतेंगी

सुरेश देसाई

दिल्ली का निजामुद्दीन इलाकाष्ठ यहीं मौजूद है बंगले वाली मस्जिदष्ठ और इस मस्जिद में है तबलीगी जमात का मरकजष्ठ देश में जब कोरोना के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए सरकारों से लेकर सड़क के किनारे रहकर एक पान की दुकान लगाने वाली 75 साल की एक बूढ़ी महिला भी जब अपनी जिम्मेदारी निभा रही थी, तब कुछ हजार लोग जो एक खास मजहब से जुड़े थे, वे बेफिक्र होकर मरकज में छिपे बैठे थेष्ठ एक जाहिल किस्म के मौलाना ने खांसते हुए लोगों के साथ आम मुसलमानों को भी मेसेज दिया, 'ये ख्याल बेकार है कि मस्जिद में जमा होने से बीमारी पैदा होगी, मैं कहता हूं कि अगर तुम्हें यह दिखे भी कि मस्जिद में आने से आदमी मर जाएगा तो इससे बेहतर मरने की जगह कोई और नहीं हो सकती।' मतलब हद दर्जे की बेपरवाही! कौन होता है मुसलमान? वही ना जो अपने ईमान का पक्का होता है? ये कैसा इस्लाम है जो इंसानियत से ऊपर हो गया? मौलाना साद के मुताबिक, अल्लाह कोई मुसीबत इसलिए ही लाता है कि देख सके कि इसमें मेरा बंदा क्या करता है। अरे मौलाना! अल्लाह मुसीबत नहीं लाता, मुसीबत तो शैतान लाता हैष्ठ अल्लाह तो अपने बंदों को मुसीबत में लड़ने की ताकत देता हैष्ठ शायद मौलाना साद और उस मरकज में छिपकर बैठे मुसलमानों पर शैतान हावी हो गया था, शायद वे अल्लाह की दी हुई ताकत को समझ ही नहीं पाए और डरकर, चालाकी से बैठ गए मरकज में छिपकरष्ठ बात इतनी सी ही होती तो भी एक बार को मैनेज हो जाता, लेकिन जब सरकारें और प्रशासन लगातार यह कहता रहा कि कोरोना की गंभीरता को समझें तो भी ये लोग वहां से निकले और भागकर देश की अलग-अलग मस्जिदों में छिपकर बैठ गए। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मुरादाबाद, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और अंडमान समेत पता नहीं कहां-कहां इन लोगों ने लाखों लोगों तक कोरोना के खतरे को पहुंचा दिया। इसपर कुछ लोग कह रहे हैं कि ये छिपे हुए नहीं, बल्कि फंसे हुए लोग थे। अगर ये वाकई फंसे हुए थे तो जरा मेरे कुछ सवालों के जवाब दीजिएः 1: 13 से 15 मार्च तक मरकज में तबलीगी जमात का जलसा आयोजित हुआ था। 15 को इसके खत्म होने के बाद तो लॉकडाउन का माहौल नहीं था। लॉकडाउन होने से पहले कई दिनों से कोरोना को लेकर चेतावनी दी जा रही थी। ऐसे में विदेशी मुसलमानों ने देश क्यों नहीं छोड़ा और देश के

मुसलमानों ने, यानी जो आयोजक थे, उन्होंने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए साफ तौर पर सभी को वहां से जाने को क्यों नहीं कह दिया?

2: देश में लॉकडाउन से पहले ही कोरोना के खतरे का माहौल बनने लगा था। इस माहौल में जब मौलाना लोगों को मरकज में रोक रहा था, तो क्या पूरे जलसे में एक भी संवेशनशील व्यक्ति नहीं था, जो इसकी गंभीरता समझता और मौलाना की फर्जी दलीलों का विरोध करता?

3: अगर वे छिपे नहीं थे, और वे संवेदनशील थे तो क्या उन हजारों लोगों में 28-29 तारीख तक कोई एक इंमर्जेंसी नंबर पर फोन तक नहीं कर पाया?

4: मरकज के जलसे में जो लोग शामिल हुए थे, उनमें से सैकड़ों लोग देश के अलग-अलग हिस्सों में गए, उनमें कुछ विदेशी थे। विदेशियों को छोड़ दीजिए, लेकिन अधिकतर तो इसी देश के थे ना? वही थे ना जो कहते हैं कि हम दिन में पांच बार इस मादर-ए-वतन की सरजमीं को चूमते हैं? ऐसे लोगों को अपने वतन, अपने मुल्क के लोगों का जरा सा भी ख्याल नहीं आया कि वे स्वास्थ्य विभाग को या पुलिस को दिल्ली से अपने घर पहुंचते ही बता देते और निर्देशों का पालन करते?

5: मरकज के जलसे से जो विदेशी देश के अलग-अलग हिस्सों में गए थे, वे किसकी शह पर गए थे? 12-14 दिन से वे विदेशी मुसलमान किसी न किसी मरजक या मस्जिद में रुके थे, किसने उन्हें इस खतरनाक माहौल में रोका था? कौन था, जिसे अपने, अपने परिवार, अपने संबंधियों, परिचितों से ज्यादा वे विदेशी प्यारे थे? कोई भी हो, मेरा सवाल है कि इन लोगों ने उन विदेशियों को छिपाकर क्यों रखा था? सिर्फ इसीलिए ना क्योंकि इनके लिए घर, परिवार, परिचित, मुल्क इन सबसे पहले इनका मजहब था?

6:अगर ये छिपे नहीं थे, फंसे थे, तो सिर्फ इतना बताइए कि स्थानीय लेवल पर जहां-जहां ये विदेशी पाए गए हैं, वहां जिन लोगों ने इनके रुकने की व्यवस्था की, उन्हीं लोगों ने खुद स्थानीय प्रशासन को इसकी सूचना क्यों नहीं दी? एलआईयू और खुफिया एजेंसियों से कैसे पुलिस, प्रशासन और सरकार को इनके बारे में जानकारी मिली?

आज 'फंसे' और 'छिपे' को एक बताने वाले लोग इन सवालों के जवाब नहीं दे पाएंगे क्योंकि इन सवालों के जवाब देने के लिए उन्हें सच बोलना होगा और सच बोलने की हिम्मत तो उन लोगों में है ही नहींष्ठ वे तो बस बेवजह के कुतर्कों के साथ लोगों सेवा में लगे पुलिसकर्मियों, डॉक्टरों और सफाईकर्मियों पर पत्थर चलाने वालों, उन पर थूकने वालों, नर्सों के सामने अश्लीलता करने वालों का बचाव करने की कोशिश कर सकते हैंष्ठ लेकिन ऐसे लोग याद रखें, जब भी भविष्य में इस देश के मुश्किल दौर का इतिहास लिखा जाएगा, तब ये ही लोग होंगे, जो देश के अपराधी के रूप में स्थापित किए जाएंगेष्ठ ऐसे लोगों से मैं फिर कहता हूँ, मत करो ऐसाष्ठ आज एक ऐसा राक्षस सामने खड़ा है, जिसकी लड़ाई हिंदू-मुसलमान, मुल्क, इंसानियत से नहीं बल्कि जिंदगी से है.

कामगार तबके की चिंता को समझे सरकार

भूपेन्द्र पटेल

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जिस लॉकडाउन का सहारा लिया गया है, वह पूर्वी, पश्चिमी और उत्तर भारत के लिए यहां के निवासियों की वजह से ही बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। कोलकाता से लेकर मुंबई-अहमदाबाद और दिल्ली-जयपुर से लेकर लखनऊ तक से अपने घरों के लिए पैदल निकले मजदूरों के रेले ने इस लड़ाई को चुनौतीपूर्ण तो बनाया ही है, नीति निर्माताओं और राज-व्यवस्था पर कुछ अहम सवाल भी उठाए हैं। अपने-अपने गांवों के लिए निकली इस भीड़ के बारे में कहा जा रहा है कि इसे बरगलाया गया। कोई यह भी कह सकता है कि इन लोगों ने अफवाहों पर भरोसा कर लिया। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी उठेगा कि संविधान लागू करने के सत्तर साल बाद भी भारत की बड़ी जनसंख्या की बुनियादी जरूरतें आखिर क्यों नहीं पूरी की जा सकीं? समाज के निचले पायदान के लोगों को शैक्षिक और आर्थिक स्तर पर इतना सशक्त क्यों नहीं बनाया जा सका कि वे अफवाहों को नकारते हुए अपनी सामाजिक चुनौतियों को समझ सकें?

आधा-अधूरा विकास

देशव्यापी लॉकडाउन की अचानक घोषणा का मकसद था कि जो जहां है, वही ठहर जाए और संचारी कोरोना वायरस को बांधा जा सके। वैसे भी भारत जैसे देश में, जहां अफवाहों पर दंगे भड़क उठते हैं, लंबे धरने और आंदोलन शुरू हो जाते हैं, वहां किसी महामारी के मद्देनजर लॉकडाउन का फैसला पूर्व नियोजित ढंग से करना संभव नहीं है। लेकिन जिस आी शंका के मद्देनजर देशबंदी की अचानक घोषणा की गई थी, सड़कों पर भूखे-प्यासे उतरे मजदूरों के हुजूम ने उसे हकीकत में बदल दिया है। ऐसे में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह कहना सही ही है कि मजदूरों की आवाजाही से महामारी को थामने के मकसद पर बुरा असर पड़ेगा। हालांकि यह सभी मान रहे हैं कि हजार किलोमीटर तक की दूरी पैदल नापना लोगों का जज्बा कम, मजबूरी ज्यादा है।

प्रधानमंत्री द्वारा देशबंदी की घोषणा करने के पहले ही राज्य सरकारों ने अपने यहां बंदी की घोषणा शुरू कर दी थी। अरविंद केजरीवाल और योगी आदित्यनाथ ने जहां दिल्ली और उत्तर प्रदेश में तीन-तीन दिनों के लॉकडाउन का ऐलान किया था, वहीं हरियाणा सरकार ने भी बाजार बंद कर दिए थे। उत्तराखंड भी इस राह पर बढ़ चला था। राजस्थान और पंजाब सरकार ने 31 मार्च तक अपने-अपने यहां कर्फ्यू और धारा 144 लगा दी थी। लेकिन किसी भी राज्य ने बंदी के दौरान दिहाड़ी मजदूरों और रेहड़ी-पटरी वालों के लिए रोटी-पानी के ठोस इंतजाम का ऐलान नहीं किया था। चाहे महाराष्ट्र की सरकार हो या उत्तर प्रदेश की, दिल्ली की हो या फिर हरियाणा की, कोई भी सरकार हाशिये पर पड़े लोगों और मजदूरों में यह भरोसा पैदा करने में नाकाम रहीं कि उन्हें लॉकडाउन की हालत में खाने-पीने की तकलीफ नहीं होगी। लिहाजा रोजाना कमाने-खाने वाले, झुग्गियों और अमानवीय हालात में रहने वाले हजारों लोगों के सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया। वे बदहवासी से भर उठे। हो सकता है कि इस बीच कुछ अफवाहबाजों ने अफवाहें भी फैलाई हों और अभावों में जिंदगी गुजारने वाले इस तबके के ज्यादातर लोगों को महानगरों में अपनी जिंदगी तबाह होती नजर आने लगी हो।

इसे भारत के सामाजिक तंत्र की कमजोरी ही कहा जाएगा कि छोटे-बड़े नियोक्ताओं से अपने यहां काम करने वालों को राहत देने की प्रधानमंत्री की अपील भी नाकाम रही। ऐसे में मजबूर लोगों ने भूख झेलने की बजाय अपनों के बीच जाकर अभावों में जीवन गुजारने को ही बेहतर विकल्प मान लिया और लोगों का कारवां लकदक महानगरों से बीमारू राज्यों की तरफ निकल पड़ा। करीब पैंतीस साल पहले अर्थशास्त्री आशीष बोस ने उत्तर भारत के चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को बीमारू जैसा अपमानजनक नाम दिया था। आशीष बोस का तर्क था कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी को नकारात्मक हद तक यही चार राज्य प्रभावित करते हैं।

दुर्भाग्य देखिए कि सड़कों पर जो हुजूम निकला, वह इन बीमारू राज्यों का ही है। बीमारू का अपमानबोध हटाने के लिए इन राज्यों में तमाम कदम उठाए गए। बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का बंटवारा भी हो गया। लेकिन हाशिए पर पड़े लोगों की जिंदगी में इससे कुछ खास बदलाव नहीं आया। बेशक आज हालात तीन दशक पहले वाले न हों, लेकिन वे इतने बेहतर भी नहीं है। आज भी महज अपना पेट पालने के लिए देश में सबसे ज्यादा पलायन इन्हीं राज्यों से हो रहा है। किताबों में भारत को गांवों का देश बताना अच्छा लगता है लेकिन इसके पीछे गांवों से रत्ती भर लगाव भी होता तो नीति निर्माण के केंद्र में गांव और गरीब को होना चाहिए था। दुर्भाग्यवश ऐसा कम ही हुआ। भारतीय नौकरशाही में समाजवादी शैक्षिक पृष्ठभूमि का वर्चस्व तो है, लेकिन नीति निर्माण के केंद्र में यह सोच कम ही नजर आती है। कहा जाता है कि हमारी नौकरशाही में देश की बेहतरीन प्रतिभाएं शामिल हैं। लेकिन उसका अतीत संकट को भांपने में अक्सर चूक जाने का ही रहा है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि उसकी सोच और प्रशिक्षण में कोई बड़ी कमी है।

समुचित जांच जरूरी

ऐसा नहीं होता तो लॉकडाउन की घोषणा के बाद राज्यों की नौकरशाही दिहाड़ी और कम आय वर्ग वाले लोगों को राहत पहुंचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करती। वह इस वर्ग को भरोसा जताने में जुट जाती कि देशबंदी में भी उन पर भुखमरी का साया नहीं पड़ने जा रहा। केंद्रीय नौकरशाही भी वक्त पर राज्यों को निर्देश देती कि वे अपने यहां जरूरतमंदों के लिए शिविर और भोजन का प्रबंध करें। तब शायद लोग अपनी जगहों पर रुकते और कोरोना के संकट को बढ़ाने के खतरे को भांप पाते। बहरहाल, अभी तो लोग बीच की स्थिति में हैं। बेहतर होगा कि घर पहुंचने से पहले उनकी मेडिकल जांच और संभावित संक्रमण की पहचान की जाए। देशहित में हमें इस चुनौती का सामना करना ही होगा।

महाराष्ट्र में 14 अप्रैल के बाद भी जारी रहेगा लॉकडाउन, स्वास्थ्य मंत्री ने दिए संकेत

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने प्रदेश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन की मियाद बढ़ाने के संकेत दिए हैं। मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि हाल ही में आए कई मामलों को देखते हुए प्रदेश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन की मियाद 14 अप्रैल के बाद बढ़ाई जा सकती है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वह निजी रूप से ऐसा चाहते हैं और सरकार ने अभी इसे लेकर कोई फैसला नहीं किया है। महाराष्ट्र में अब तक कोरोना के कुल 490 केस सामने आ चुके हैं और प्रदेश में अब तक कुल 26 लोगों की मौत हो चुकी है। टोपे का यह बयान महाराष्ट्र में हाल ही में बढ़े कोरोना के कई मामलों को देखते हुए आया है। इनमें मुंबई के धारावी इलाके में मिले कई पॉजिटिव केस भी शामिल हैं। हजारों झुग्गियों वाले इलाके धारावी में कोरोना के कई पॉजिटिव केस मिल चुके हैं, ऐसे में अधिकारियों के लिए यहां पर संक्रमण को रोकना एक बड़ी चुनौती बन गया है। इसके साथ ही मुंबई में शुक्रवार को सीआईएसएफ के 6 जवान भी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं।

शुक्रवार को मुंबई में कोरोना के 43 नए केस

शुक्रवार को मुंबई में कोरोना के 43 नए मामले सामने आए हैं। अब यहां कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 278 तक पहुंच गई है। राज्य में कोरोना के 67 नए मामले दर्ज किए गए। यहां पिछले 24 घंटों में कोरोना की वजह से 6 मरीजों की जान गई है। अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। उपचार के बाद डॉक्टरों ने 50 मरीजों को कोरोनामुक्त घोषित कर दिया है।

ये इलाके हुए सर्वाधिक प्रभावित

बीएमसी ने मुंबई के इलाकों को चिह्नित किया है, जहां कोरोना के सबसे ज्यादा और सबसे कम मरीज मिले हैं। पांच सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके मालाड, वर्ली, घाटकोपर, भायखला और शिवाजी नगर गोवंडी हैं। बीएमसी ने कोरोना वायरस के कारण एम वेस्ट वॉर्ड, चेंबूर, देवनार में सर्वाधिक 21 परिसरों को प्रतिबंधित किया है। इसी तरह एन विभाग के अंतर्गत 20 परिसर, एच पश्चिम के अंतर्गत बांद्रा से सांताक्रुज के बीच 11 परिसर और डी विभाग के तहत मलबार हिल में 11 परिसर सील किए गए हैं। बता दें कि आदित्य ठाकरे का विधानसभा क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित है।

धारावी में जिस शख्स की मौत हुई, उसके फ्लैट में रुके थे मरकज से लौटे जमाती

मुंबई, घनी बस्ती और हजारों झुग्गियों वाले मुंबई के धारावी इलाके में कोरोना संक्रमण दस्तक दे चुका है।

यहां एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, जबकि 2 अन्य संक्रमित पाए गए हैं।

अब खुलासा हुआ है कि जिस 56 वर्षीय युवक की जान इस खतरनाक वायरस की वजह से गई,

वह दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेकर आए लोगों के संपर्क में आया था।

पुरुष मस्जिद में रुके थे, महिलाएं मृतक के फ्लैट में

जमात में शामिल होकर 22 मार्च को मुंबई लौटी पांच महिलाएं मृतक के ही एक अन्य फ्लैट में रुकी थीं। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया, 'महिलाओं के साथी पुरुष धारावी के शाहू नगर के जामा मस्जिद में रुके थे। वहीं महिलाएं डॉक्टर बलिगा नगर में जिस फ्लैट में रुकी थीं, उसका मालिक 56 वर्षीय व्यक्ति था, जिसकी मौत हो चुकी है।' उन्होंने बताया कि ऐसी जानकारी सामने आई है कि जमात से लौटे इन सभी लोगों के 24 मार्च को केरल के कोझिकोड निकलने से पहले मृतक ने उनके साथ समय गुजारा था।

जमातियों के केरल निकलने से पहले मृतक ने साथ गुजारा था समय

एक अप्रैल को 56 वर्षीय व्यक्ति के मौत के दिन ही उसमें कोरोना वायरस की पुष्टि हुई थी। बीएमसी ने इसके तुरंत बाद उसके संपर्क में आए लोगों की तलाश शुरू कर दी थी। सूत्रों के अनुसार मृतक की फैमिली की तरफ से इस मामले में पूरा सहयोग नहीं मिलने की वजह से पुलिस अब उसके कॉल रेकॉर्ड्स खंगाल रही है, जिससे यह पता चले कि पिछले दो हफ्तों में वह किसके-किसके संपर्क में आया था।

मृतक के करीबियों के कोरोना टेस्ट रिपोर्ट का इंतजार

बीएमसी अब 15 हाई रिस्क कॉन्टैक्ट्स के कोरोना टेस्ट के रिजल्ट इंतजार कर रही है, जिससे यह पता चल सके कि कहीं मृतक के परिवार में से किसी को कोरोना तो नहीं है। बता दें कि निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में करीब 13 हजार लोगों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से सैकड़ों लोगों के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी अभी तक सामने आई है।

डॉक्टर और सफाईकर्मी भी हो चुके हैं कोरोना से संक्रमित

इस बीच, धारावी में काम करने वाले एक सफाईकर्मी और एक डॉक्टर के कोरोना पॉजिटिव होने का मामला सामने आया है। 52 साल का सफाईकर्मी वर्ली इलाके का रहने वाला है और सफाई के काम के लिए धारावी में पोस्टेड था। उसके परिवार के सदस्यों और 23 सहकर्मियों को भी क्वारंटीन करने की सलाह दी गई है। वहीं डॉक्टर भी मार्च के पहले हफ्ते में राजस्थान से लौटा था। ये लोग जहां रहते हैं, उस पूरे इलाके को सील कर दिया गया है।

कोरोना पीड़ित का दाह संस्कार! वीएचपी ने कहा, न हो मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति

मुंबई, कोरोना वायरस से मरने वाले मुस्लिम समाज के लोगों के शवों के दाह संस्कार पर उठे विवाद के बीच विश्व हिंदू परिषद ने कहा है कि इस मामले में मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति न हो। वीएचपी के प्रवक्ता और सहमंत्री श्रीराज नायर ने कहा कि कम से कम इन हालात में तो लोगों को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया में कोरोना पीड़ितों की मौत के बाद उनके शव जलाए जा रहे हैं, लेकिन भारत में मुस्लिम समाज के लोग कोरोना पीड़ितों को जबरन दफना रहे हैं, जिसके घातक परिणाम हो सकते हैं।

वीएचपी नेता के इस बयान का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं बताया गया है कि दफनाने से वायरस फैल सकता है। उधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इटली और अमेरिका सहित विभिन्न देशों में कोरोना से मरने वालों के शव दफनाए जा रहे हैं। फिर रद्द कर दिया गया सर्कुलर दो दिन पहले ही बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेसी ने एक सर्कुलर जारी किया था कि कोरोना वायरस से जिसकी भी मौत होगी, उसके शव को जलाया जाएगा, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो। सर्कुलर निकलने के कुछ ही समय बाद राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से घोषित कर दिया कि महाराष्ट्र नगर पालिका कमिश्नर की ओर से जारी सर्कुलर रद्द किया जा रहा है। अल्पसंख्यक मंत्री मलिक इस बयान पर वीएचपी प्रवक्ता नायर ने कहा कि यह वक्त तुष्टीकरण की राजनीति करने का नहीं है। हम मांग करते हैं कि कमिश्नर उस सर्कुलर को फिर से लागू करें।

'दाह संस्कार एकमात्र उपाय'

वीएचपी के प्रवक्ता नायर ने आगे कहा कि समूचे विश्व में यह माना गया है दाह संस्कार पूर्णरूप से कोरोना को मारने में वैज्ञानिक तौर से कारगर साबित हुआ है। पूरी दुनिया जानती है कि संक्रमित मृत शरीर को दफनाने से कोरोना वायरस जमीन के अंदर फैलता हुआ पानी के स्रोतों व अन्य स्थानों को प्रदूषित कर सकता है, इसलिए संक्रमित शरीर का दाह संस्कार करना ही एकमात्र उपाय है।

कांग्रेस नेता ने उद्धव को लिखा पत्र

कोरोना वायरस से मरने वाले मुस्लिम समाज के लिए मुंबई उपनगर के पूर्वी और पश्चिमी उपनगर में अलग से कब्रिस्तान के लिए जगह देने की मांग कांग्रेस नेता व राज्य के पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने सरकार से की है।

उन्होंने कहा है कि मुसलमानों को दफनाने के लिए मौजूद कब्रिस्तान में अलग व्यवस्था की जाए और अगर बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़ती है तो पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में मुसलमानों को दफनाने के लिए अलग कब्रिस्तान दिए जाएं। इस सिलसिले में खान ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर कोरोना वायरस से मरने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों को उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ही दफनाए जाने की मांग की है। खान ने लिखा है कि मलाड के मालवणी कब्रिस्तान में कोरोना से मरे एक बुजुर्ग को दफनाने की इजाजत नहीं दी गई, जिससे मुस्लिम समुदाय में रोष है।

सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे बनाएंगी 892 आइसोलेशन कोच

मुंबईः मुंबई समेत देश में रोजाना कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। लगातार बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए रेलवे ने आइसोलेशन कोच तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। इसके तहत सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे द्वारा कुल 892 कोच तैयार किए जाएंगे। सेंट्रल रेलवे 482 और वेस्टर्न रेलवे 410 कोच बनाएगी। ताकि अचानक पीड़ितों की संख्या बढ़ने पर प्रशासन को परेशानी का सामना न करना पड़े। 892 कोच में से करीब 200 कोच रेलवे के मुंबई के वर्क शॉप में तैयार किए जाएंगे। जिनका भविष्य में आइसोलेशन सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

वेस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ रविन्द्र भाकर के अनुसार, 45 आइसोलेशन कोच लोवर परेल, 30 कोच महालक्ष्मी, 30 कोच मुंबई सेंट्रल, 45 कोच बांद्रा, 25 कोच सूरत, पतंगनगर में 20 कोच, पीआरटीएन डिपो में 20 कोच, रतलाम में 70 कोच, अहमदाबाद डिवीजन में 70 कोच, भावनगर डिवीजन में 40 कोच, राजकोट डिवीजन में 20 कोच, भावनगर वर्कशॉप में 45 कोच तैयार किए जाएंगे। सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ शिवाजी सुतार के अनुसार, रेलवे के आईसीएफ कोचों को आइसोलेशन कोच में तब्दील करने की शुरुआत कर दी। सेंट्रल रेलवे ने इसकी शुरुआत अपने माटुंगा वर्क शॉप से की है। आइसोलेशन कोच तैयार करने से पहले और बाद में सभी कोचों को सैनिटाइज किया जाएगा।

सावधान! इन इलाकों में हैं सबसे ज्यादा कोरोना मरीज

मुंबई, मुंबई को कोरोना वायरस से बचाने के लिए सरकार और बीएमसी दिन-रात एक किए हुए हैं, इसके बावजूद महानगर में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। बीएमसी ने मुंबई के इलाकों को चिह्नित किया है, जहां सबसे ज्यादा और सबसे कम कोरोना के मरीज मिले हैं। इसमें मालाड, वर्ली, घाटकोपर, भायखला और शिवाजी नगर गोवंडी शामिल है। इन इलाकों में सर्वाधिक कोरोना मरीज मिले हैं।

इन इलाकों में ज्यादा मामले

बीएमसी ने जो मैप जारी किया है, उसके मुताबिक पी नॉर्थ विभाग के मालाड, कांदिवली, एन वॉर्ड के घाटकोपर -विक्रोली, एम ईस्ट वॉर्ड के शिवाजी नगर गोवंडी और जी साउथ वॉर्ड के वर्ली, प्रभादेवी एरिया में 5 से अधिक मामले सामने आए हैं। इसी तरह, आर सेंट्रल में बोरीवली, एम वेस्ट में चेंबूर, एफ नॉर्थ में माटुंगा, सायन कोलीवाडा और डी वॉर्ड मालाबार हिल एवं महालक्ष्मी एरिया में 3 से 5 कोरोना वायरस के मरीज मिले हैं।

यहां कम मरीज

वहीं आर नार्थ दहिसर, आर साउथ कांदिवली, टी वॉर्ड मुलुंड, एस भांडुप, कांजुरमार्ग, एल वॉर्ड, कुर्ला, साकीनाका, एच, डब्ल्यू, जी नॉर्थ और एफ साउथ वॉर्ड के परेल एरिया में 1 से 2 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं।

बीएमसी के अनुसार, इन इलाकों में आम लोगों को सबसे ज्यादा खतरा है। बीएमसी के मुताबिक ए, बी सी और जी वॉर्ड में अभी तक कोरोना के कोई मरीज नहीं मिले हैं।

ये इलाके बंद

बीएमसी ने कोरोना वायरस के कारण एम वेस्ट वॉर्ड, चेंबूर, देवनार में सर्वाधिक 21 परिसर को प्रतिबंधित किया है। इसी तरह एन विभाग के अंतर्गत 20 परिसर, एच पश्चिम के अंतर्गत बांद्रा से सांताक्रुज के बीच 11 परिसर और डी विभाग के तहत मलबार हिल में 11 परिसर सील किए गए हैं।

धारावी बड़ी चुनौती

एशिया की सबसे बड़ी स्लम एरिया धारावी सरकार और बीएमसी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। यहां अब तक तीन कोरोना मरीज मिले हैं। 15 लाख की आबादी वाली इस झोपड़पट्टी में एक संक्रमित व्यक्ति की मौत हो चुकी है, जबकि संक्रमित होने वाले दो लोगों में एक डॉक्टर और एक सफाईकर्मी शामिल है। इस कारण धारावी के 300 फ्लैट्स और 50 दुकानों को सील किया जा चुका है, जबकि सैकड़ों लोगों को होम क्वारंटाइन किया गया है।

घनी बस्ती और कई लोगों का एक ही शौचालय यहां सोशल डिस्टेंसिंग के लिए सबसे बड़ा खतरा है, इसलिए यहां कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए सरकारी मशीनरी सक्रिय हो गई है।

यहां की विधायक एवं मंत्री वर्षा गायकवाड ने धारावी में कोरोना के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए दौरा किया और जांच तेज करने का आदेश दिया।

महापौर ने जताई नाराजगी

धारावी में कोरोना मरीजों के मिलने पर महापौर किशोरी पेडणेकर ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस एरिया में कोरोना फैलने न पाए इसके लिए सरकार और बीएमसी लगातार काम कर रही है।

महापौर ने इस बात पर चिंता जताई कि यहां मेडिकल और सुरक्षाकर्मियों पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात है, लोगों को अपने बचाव के लिए मेडिकल टीम और पुलिस के साथ सहयोग करना चाहिए, वर्ना इन्हें बचाने कौन आएगा।

खुद के प्रचार का कोई मौका नहीं चूकते नरेंद्र मोदी : पृथ्वीराज चव्हाण

'पीएम केयर्स' के बहाने कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने पीएम नरेंद्र मोदी पर साधा निशाना, चव्हाण ने कहा कि पीएम-केयर्स के बहाने खुद का प्रचार कर रहे हैं नरेंद्र मोदी कांग्रेस नेता चव्हाण ने कहा कि दुनिया के किसी नेता ने राहत पैकेज को अपना नाम नहीं दिया

मुंबई, कोरोना वायरस के मामले पर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि 'पीएम केयर्स' के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद का प्रचार कर रहे हैं। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि नरेंद्र मोदी अपने प्रचार कार्इ मौका नहीं चूकते हैं। दुनिया के किसी और नेता ने इस तरह राहत पैकेज की घोषणा करके उसे अपना नाम नहीं दिया है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण ने कोरोना से निपटने के लिए बनाए गए कोष 'पीएम केयर्स' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्व प्रचार का खुला प्रयास करार देते हुए कहा कि दुनिया में इस तरह का और कोई उदाहरण नहीं है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चव्हाण ने ट्वीट करके कहा, 'सिर्फ भारत में हमारे राहत पैकेज को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना नाम दिया गया है। नरेंद्र मोदी स्व प्रचार का कोई अवसर नहीं चूकते।' चव्हाण आगे लिखते हैं, 'दुनिया के और किसी नेता ने राहत पैकेज की घोषणा करते हुए उसका नाम राष्ट्रपति पैकेज या प्रधानमंत्री पैकेज या ट्रंप पैकेज नाम नहीं दिया है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राहत कोष तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने पाकिस्तान से आने वाले शरणार्थियों की मदद के लिए जनवरी 1948 में बनाया था। कांग्रस नेता चव्हाण ने ट्वीट किया, 'नरेंद्र मोदी के अलावा अन्य किसी प्रधानमंत्री को दूसरा राष्ट्रीय राहत कोष बनाने की जरुरत महसूस नहीं हुई। पीएम केयर्स स्व प्रचार का खुला प्रयास है।' कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए बनाए गए पीएम केयर्स कोष में कई कारोबारी समूहों और जानीमानी हस्तियों ने योगदान देने का ऐलान किया है। संकट के इस दौर में गरीबों की मदद करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पिछले सप्ताह, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया था।

नेपाल में सड़क हादसे में ३० जख्मी

काठमांडू, नेपाल में मंगलवार को क्षमता से अधिक भरी हुई जीप एक राजमार्ग पर फिसल कर खड्ड में गिर गई। इस हादसे में 30 लोग जख्मी हो गए। बोलेरो जीप काठमांडू घाटी के भक्तपुर से रामेछाप जा रही थी। रास्ते में यह दुर्घटना हो गई। रामेछाप के जिला पुलिस कार्यालय में प्रवक्ता टी पौडेल ने बताया कि 27 घायलों को धूलीखेल अस्पताल ले जाया गया है। तीन अन्य घायलों का इलाज स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। पुलिस ने बोलेरो के चालक को गिरफ्तार कर लिया और घटना की जांच शुरू कर दी।

क्वॉरेंटाइन सेंटर में एक ही दिन में लगाए 172 बिजली मीटर

मुंबई, लॉकडाउन के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति की दिशा में जोरों पर कार्यरत हैं। इसी क्रम में महावितरण के भांडूप परिमंडल के अंतर्गत मुलुंड विभाग कार्यालय की तरफ से मुलुंड में शुरू किए जाने वाले क्वॉरेंटाइन सेंटर में एक ही दिन में 167 बिजली मीटरों को लगाया है। मुलुंड पश्चिम के रिद्धी सिद्धी डिवेलपर के तांबेनगर स्थित आशीर्वाद व सिद्धार्थनगर एस. आर. ए. हाउसिंग सोसाइटी में स्थित 400 घरों में सिगल फेस मीटर लगाने का आदेश जिलाधिकारी कार्यालय की तरफ से बिजली विभाग को दिया गया था। भांडूप परिमंडल की मुख्य अभियंता पुष्पा चव्हाण के मार्गदर्शन में मुलुंड विभाग के कार्यकारी अभियंता दत्तात्रय भणगे के नेतृत्व में सोमवार को 167 सिंगल फेस और 5 थ्री फेस मीटर को लगाया गया। शेष मीटरों को लगाने का काम शुरू है और उसे एकाध दिन में पूरा कर लिया जाएगा। बिजली विभाग की पीआरओ ममता पाण्डेय ने यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र सरकार का लोगों को गिफ्ट! सस्ती हो जाएगी बिजली

मुंबई, महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियामक आयोग ने राज्य में अगले 5 साल के लिए बिजली की नई दरें निर्धारित की हैं। नई दरों के मुताबिक, राज्य में बिजली की दरों में औसतन 7 से 8 प्रतिशत की कमी आएगी। विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष आनंद कुलकर्णी ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि इससे राज्य के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। सोमवार को महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियामक आयोग ने अगले 5 साल के लिए राज्य में अलग-अलग श्रेणियों के उपबिजली उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरें कम करने का ऐलान किया है। बता दें कि राज्य में 10-15 साल बाद बिजली की दरों में कटौती की गई है। आयोग के इस ताजा फैसले के मुताबिक, मुंबई छोड़कर शेष महाराष्ट्र में उद्योगों के लिए बिजली की दर 10 से 12 फीसदी तक कम हो जाएंगी। इसी तरह घरेली उपयोग में आने वाली बिजली की दरें भी 5 से 7 फीसदी तक कम हो जाएंगी और खेती4 के लिए उपयोग की जाने वाली बिजली की दर 1 फीसदी कम हो जाएगी।

मुंबई को बड़ी राहत

जहां तक सवाल मुंबई का है, मुंबई में इंडस्ट्री के लिए बेस्ट की बिजली दरें 7 से 8 प्रतिशत, कमर्शल के लिए 8 से 9 प्रतिशत और घरेलू उपयोग के लिए बेस्ट की बिजली दरें 1 से 2 फीसदी कम हो जाएंगी।

टाटा और अडानी की दरें भी घटी

मुंबई और उपनगरों के बड़े हिस्से में टाटा और अडानी कंपनी की बिजली सप्लाई होती है। आयोग के ताजा फैसले से इनकी बिजली की दरें भी कम होंगी। टाटा और अडानी की बिजली इस्तेमाल करने वाले उद्योगों में इंडस्ट्रियल बिजली दर 18 से 20 प्रतिशत, कमर्शल बिजली उपभोक्ताओं की बिजली दर 19 से 20 प्रतिशत और घरेलू बिजली की दर 10 से 11 फीसदी तक कम हो जाएगी।

विकास को मिलेगी गति

महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष आनंद कुलकर्णी ने बताया कि बिजली की दरों को निर्धारित करते वक्त सभी संबंधित पक्षों से लंबी चर्चा करने के बाद और सभी पहलुओं का अध्ययन करने के बाद आयोग ने बिजली की दरें कम करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि बिजली की दरें कम होने से राज्य में उद्योग और व्यवसाय को आधार मिलेगा और वह नए सिरे से अपने परों पर खड़े हो सकेंगे।

नई सरकार का असर

महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियामक आयोग के फैसले के पीछे राज्य सरकार की भूमिका का साफ असर दिख रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार की स्थापना होने के बाद राज्य के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव किया था। हालांकि, तब उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विरोध के चलते यह मामला आगे नहीं बढ़ पाया था. बता दें कि वर्तमान में, राज्य में 100 यूनिट से कम बिजली का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की दर 3.05 रुपये प्रति यूनिट है। जो अब और कम हो जाएंगी। इससे सरकार के लिए 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का रास्ता आसान हो जाएगा।

मालगाड़ी की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत

मुंबई, रेलवे पुलिस ने बताया कि वापी और करमबेली स्टेशनों के बीच सुबह पटरी पार करते हुए कुछ लोग मुंबई की ओर जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए, जिसके फलस्वरूप अब तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार पटरी पार करने वालों में से दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। इस बीच पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी गजानन महतपुरकर ने लोगों से अनुरोध किया है कि कोई भी रेल पटरी पार न करें, न ही पटरी पर चलें, क्योंकि वर्तमान में भले ही यात्री गाड़ियां नहीं चल रहीं हैं, लेकिन देश भर में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए मालगाड़ियां नियमित रूप से चलाई जा रही हैं। अतः पटरी पार करना या पटरी पर चलना न सिर्फ खतरनाक है, बल्कि ऐसा करना कानूनन जुर्म भी है।

रोजाना खाएं ये फूड्स, नहीं होगी दिल से जुड़ी कोई भी बीमारी

सोनल झालावाड़िया

अखरोट

दिल की बीमारियों से बचे रहने के लिए ड्राई फ्रूट्स भी एक बेहतरीन विकल्प के रूप में खाए जा सकते हैं। दरअसल, अखरोट में कोलेस्ट्रॉल लेवल को संतुलित करने और ब्लड प्रेशर को कम करने का गुण पाया जाता है जो हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिने जाते हैं। इसलिए यदि आप अखरोट को अपनी डायट में शामिल करते हैं तो यह आपको कई प्रकार की दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाए रखने में मदद करेगा।

अलसी के बीच

फ्लैक्स सीड का सेवन आप सुबह नाश्ते के रूप में कर सकते हैं जो आपके स्वस्थ हृदय के लिए जरूरी आहार माना जाता है। दरअसल फ्लैक्स सीड में ओमेगा 3 एसेंशियल फैटी एसिड पाया जाता है जिसे एक गुड फैट की श्रेणी में गिनते हैं। डॉक्टरों के द्वारा इसे हृदय के लिए लाभकारी प्रभाव देने वाला आहार बताया जाता है। वहीं, इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड सीधे तौर पर दिल के लिए एक गुणकारी पोषक तत्व है जिसके कारण आप इसे अपनी डाइट में शामिल करके हृदय संबंधी बीमारियों से कोसों दूर रह सकते हैं।

बादाम

हृदय से जुड़ी हुई बीमारियों से बचे रहने के लिए जरूरी है कि आपका ब्लड प्रेशर और रक्त कोशिकाएं स्वस्थ रहें और वे सक्रिय रूप से काम करें। जबकि विशेषज्ञों के द्वारा किए गए अध्ययन में यह देखा गया कि बादाम खाने से हृदय रोग का खतरा कई गुना तक कम हो जाता है और साथ ही साथ यह रक्त कोशिकाओं को भी स्वस्थ रखने का काम करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ब्लड प्रेशर को कम करने के साथ-साथ ब्लड सर्कुलेशन को भी मेंटेन रखता है, जिसके कारण आप कई प्रकार की हृदय से जुड़ी बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

टमाटर

टमाटर को भारतीय व्यंजनों में चटनी के रूप में और सब्जी बनाने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, इसके जूस और सूप का भी सेवन बड़े पैमाने पर लोगों के द्वारा किया जाता है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में टमाटर मदद कर सकता है और ब्लड क्लॉटिंग से भी बचा सकता है। जिसके इसका सेवन करने वाले लोगों को हृदय आघात जैसे जोखिम का खतरा काफी हद तक कम हो जा सकता है। इसलिए दिल की जुड़ी बीमारी से बचे रहने के लिए आप भी इसे अपनी डायट में जगह दे सकते हैं।

गाजर

गाजर को आप किसी भी सब्जी की दुकान से खरीद सकते हैं और इसे अपने डाइट में नाश्ते के समय जूस के रूप में या फिर लंच के समय सलाद के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके दिल को जरूरी पोषण प्रदान करेगा और उसकी कार्यक्षमता को भी सक्रिय रूप से चलाने में मदद करेगा। दरअसल गाजर में विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन B1, B2, B6 के साथ-साथ कैल्शियम पोटेशियम फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भी मौजूद होता है। इसके साथ-साथ इसमें अल्फा और बीटा कैरोटीन दिल के लिए बहुत ही आवश्यक पोषक तत्व हैं। इसलिए अगर आप गाजर का सेवन करते हैं तो दिल की बीमारियों से बचे रहेंगे।यह भी पढ़ें : कोरोना से बचाएगी 8 मीटर की दूरी!

पालक

हरी पत्तेदार सब्जियों में प्रमुख रूप से शामिल की जाने वाली पालक पौष्टिक तत्वों का भंडार मानी जाती है। इसे जूस के रूप, सब्जी के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ दाल के साथ पकाकर भी खाया जाता है। दरअसल, पालक में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन बी और फाइबर के साथ-साथ हृदय के लिए सबसे जरूरी पोषक तत्व ओमेगा-3 फैटी एसिड की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। इन पौष्टिक तत्वों की मौजूदगी को देखते हुए अगर आप इसे अपनी प्लेट में जगह देते हैं तो यह आपके हृदय के लिए बहुत ही लाभदायक होगी।

सालमन

सालमन एक समुद्री मछली है जो आपको किसी भी फिश मार्केट में भी मिल जाएगी। फिलहाल अभी लॉकडाउन में तो इसे खरीदना मुश्किल है लेकिन इसके बाद आप इसे बड़ी आसानी से खरीद सकते हैं।

इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा पाई जाती है। यह हृदय के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व है। इसलिए आप इसे अपनी डायट में शामिल करके हृदय रोग से बचे रह सकते हैं।

उम्र के हिसाब से कितनी बार बदलें बच्चे का डायपर

अगर छोटे बच्चों का समय पर [illegible] की वजह से उन्हें डायपर रैशेज की दिक्कत हो जाती है। डिलीवरी के बाद बच्चे का पहला साल मां के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि यही वो समय होता है जब मां को बच्चे की जरूरतों को उसके बिना बोले ही समझना होता है।

इसी समय में मां को बच्चे के बिना बोले उसके भूख लगने और डायपर बदलने का खुद ही अंदाजा लगाना होता है। आपकी इस मुश्किल को कम करने के लिए आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि उम्र के हिसाब से बच्चे का डायपर कब और कितनी बार बदलना चाहिए।

नवजात शिशु से लेकर एक महीने की उम्र नवजात शिशु को बड़े बच्चों की तुलना में डायपर की ज्यादा जरूरत होती है। एक महीने से छोटे शिशु को एक दिन में कम से कम 6 से 10 डायपर की जरूरत होती है। इस उम्र में बच्चे लगभग तीन से चार बार पॉटी और लगभग हर घंटे में पेशाब करते हैं, इसलिए शुरुआती महीने में आपको डायपर की बहुत जरूरत पड़ती है।

एक महीने से पांच महीने तक

एक महीने के बच्चे को 4 से 6 डायपर की जरूरत पड़ती है। स्तनपान करने वाले बच्चों को फॉर्मूला मिल्क लेने वाले बच्चों की तुलना में ज्यादा डायपर की जरूरत पड़ सकती है। ब्रेस्ट मिल्क पचाने में आसान होता है और इसीलिए स्तनपान करने वाले बच्चे ज्यादा पॉटी और पेशाब करते हैं।

पांच महीने से अधिक उम्र पांच महीने का होने पर शिशु पहले की तुलना में कम बार पॉटी करता है। फॉर्मूला मिल्क लेने वाले बच्चों की तुलना में स्तनपान करने वाले बच्चों का मल पतला होता है। इस उम्र में शिशु को दिन में आठ डायपर की जरूरत भी पड़ सकती है।

एक साल की उम्र तक

9 महीने से 12 महीने तक के बच्चे को भी दिन में आठ डायपर की जरूरत पड़ती है। इस हिसाब से इस उम्र का शिशु महीने में 240 डायपर इस्तेमाल करता है। उम्र के हिसाब से शिशु के लिए डायपर की औसत उपयोग की संख्या बताई गई है। हालांकि, सभी बच्चों में इसकी संख्या में थोड़ा बदलाव हो सकता है।

कब बदलना चाहिए डायपर

जब भी आपको लगे कि आपके बच्चे का डायपर गीला हो गया है तो तुरंत उसे बदल दें। पेशाब या मल की वजह से शिशु को इंफेक्शन हो सकता है और इसका इलाज बच्चे को तकलीफ दे सकता है।

जब भी बच्चा सोकर उठता है तो उसका डायपर जरूर चेक करें। डायपर बदलने के लिए बच्चे को नींद से जगाने की जरूरत नहीं है। दूध पिलाने से पहले भी बच्चे का डायपर चेक करना चाहिए। रात को सुलाने से ठीक पहले डायपर जरूर बदलें।

बाहर से लौटने के बाद क्या आपको तुरंत बदलने चाहिए कपड़े?

कोरोना वायरस महामारी के कारण पूरे देश में लॉकडाउन है और हम सभी अपने घरों में बंद हो गए हैं। लेकिन किराने का सामान, दवाएं और जरूरत की अन्य चीजें लेने के लिए हमें थोड़ी देर के लिए घर से बाहर निकलना ही पड़ता है।

ऐसे में सवाल यह है कि हाथ की सफाई करने के साथ ही क्या बाहर से आने के बाद आपको अपने कपड़े भी बदलने चाहिए? चूंकि कोरोना वायरस संक्रमण से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि क्या कपड़ों से भी कोरोना वायरस का संक्रमण फैल सकता है। आइये जानते हैं... इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि कोविड-19 कपड़े पर पनपता है या नहीं। लेकिन यह कई अलग-अलग सतहों पर जीवित रहता है। जैसे कि यह कार्डबोर्ड पर 24 घंटे जबकि प्लास्टिक और स्टील की सतह पर 3 दिन तक जीवित रह सकता है। हालांकि कपड़े पोरस मैटेरियल के अंतर्गत आते हैं लेकिन इनसे कोरोना वायरस से संक्रमण फैलने की संभावना कम होती है। लेकिन यदि आपके कपड़ों पर ड्रॉपलेट्स पड़े हैं या संक्रमित सतह को साफ करने के बाद उसी हाथ से कपड़े, नाक या मुंह को छूने से कोरोना वायरस से संक्रमित होने की संभावना होती है। चूंकि इलाज से बेहतर बचाव होता है इसलिए बाहर से आने के बाद कपड़े बदल लेने चाहिए।

बाहर से आने के बाद कोविड-19 से बचने के लिए बरतें ये सावधानियांः

भीड़भाड़ वाली जगहों से घर वापस लौटने के बाद अपने कपड़े बदलने चाहिए।

यदि आपने खंभे, दीवार या किसी ऐसी सतह को छूआ है जिसे बहुत से लोग छूते हैं तो आपको हाथ धोने के साथ ही कपड़े भी बदल लेने चाहिए।

अगर आपके आसपास कोई व्यक्ति खांसता या छींकता हो तो आपको अपने कपड़े बदल लेने चाहिए। कपड़े बदलने से पहले और कपड़े बदलने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह साफ करना चाहिए।

यदि आपको संक्रमण का संदेह है तो अपने कपड़ों को अलग से गुनगुने पानी में नॉर्मल कीटाणुनाशक डालकर साफ करें।

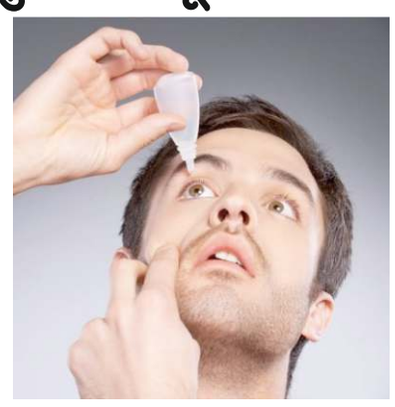

ये सावधानियां आपको तभी बरतनी चाहिए जब आपको संदेह हो। इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि कोरोना वायरस कपड़ों पर जीवित रहता है। इसलिए हम यह नहीं कर सकते कि कोविड-19 कपड़ों के माध्यम से फैलता है या नहीं।

सूख गया है आंखों का पानी तो इन घरेलू नुस्खों से दूर करें दर्द

आजकल कई घंटों तक लगातार कंप्यूटर पर काम करने का चलन बढ़ गया है। इसका नतीजा लोगों में सर्वाइकल और ड्राई आईज जैसी समस्याओं के रूप में सामने आया है। जब हम कंप्यूटर पर काम करते हैं तो लंबे समय तक पलकें नहीं झपकाते हैं और कंप्यूटर स्क्रीन की लाइट भी आंखों के पानी को सुखा देती है। आंखों का पानी सूखने पर आंखों में दर्द रहने लगता है और कई गंभीर मामलों में तो व्यक्ति को दूसरों से आई कॉन्टैक्ट करके बात करने में भी दिक्कत होती है।

आंखों में सूखापन दूर करने का घरेलू उपचार

अगर आपको ड्राई आईज की प्रॉब्लम हो गई है या आप इससे बचना चाहते हैं तो इस काम में घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं आंखों के सूखेपन के कारण होने वाले दर्द को दूर करने के घरेलू तरीकों के बारे में।

अलसी और चिया के बीज खाएं

रिसर्च में सामने आया है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड ज्यादा खाने से ड्राई आईज के लक्षणों से राहत मिल सकती है। ये फैट शरीर में सूजन को कम करने के लिए जाना जाता है। इससे आंखों में ज्यादा और अच्छी क्वालिटी के टिअर बनते हैं। अलसी के बीज, अलसी के तेल, ताड़ के तेल, सोयाबीन ऑयल, चिया के बीजों, फैटी फिश जैसे कि टूना, सैल्मन और मैकेरल, अखरोट एवं अंडे में ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर होता है।

धूम्रपान से बचें

सेहत के लिए धूम्रपान हर तरह से नुकसानदायक है। अगर आपको ड्राई आईज की प्रॉब्लम है तो आपको सिगरेट से बिलकुल दूरी बना लेनी चाहिए। सिगरेट पीने से ड्राई आईज के लक्षण बढ़ सकते हैं। इसके अलावा धूम्रपान करने वाले लोग ड्राई आईज की चपेट में आसानी से आ सकते हैं।

गर्म सिकाई

आंखों के टिअर यानी आंसू तेल, पानी और म्यूकस के बने होते हैं। आंखों में नमी और स्वस्थ रहने के लिए इन तीनों चीजों की जरूरत होती है। ड्राई आईज में तेल बनाने वाली ग्रंथियां अवरूद्ध हो सकती हैं। इसके लिए एक साफ कपड़े को गर्म पानी में भिगोकर आंखों पर एक मिनट तक लगाएं।

ठंडा पानी

ठंडा पानी भी आंखों को बहुत आराम देता है। अगर ऑफिस में कंप्यूटर पर काम करते समय आई ड्राइज की वजह से आपकी आंखों में दर्द हो रहा है तो आंखों में ठंडे पानी की छींटे मारें। इसकी जगह आप बर्फ से भी आंखों की सिकाई कर सकते हैं।

आंखों की मालिश

पहले तो आंखों को खोलकर पानी की छींटे मारें और फिर बेबी शैंपू से आंखों को बंद करके उंगलियों से हल्की मसाज करें। ध्यान रहे बेबी शैंपू आंखों के अंदर न जाए । इससे सूजन को कम किया जा सकता है।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी का संबंध ड्राई आईज से होता है। विटामिन बी12 और ए भी आंखों की सेहत के लिए बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा विटामिन ई, सी, बी6 और बी9, राइबोफ्लेविन, नियासिन और थाइमिन भी आवश्यक होता है। अपने आहार में इन सभी पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

हवा से बचें

ए.सी की हवा के कारण भी आंखों का पानी जल्दी सूख सकता है। ऐसे चश्मे का इस्तेमाल करें जो आंखों को पूरी तरह से कवर कर सके। घर पर ड्रायर, ए.सी या पंखे का आंखों के बिलकुल नजदीक इस्तेमाल न करें।

टी बैग

ब्लैक टी में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। कुछ मिनट के लिए टी बैग को गर्म पानी में छोड़ दें और फिर बाहर निकालकर थोड़ा ठंडा होने दें। अब टी बैग्स को आंखों पर पांच से 10 मिनट के लिए रखें। अगर उपरोक्त उपायों से आपको आराम नहीं मिल रहा है और आपको ज्यादा दिक्कत महसूस हो रही है तो आपको तुरंत नेत्र विशेषज्ञ को दिखाना चाहिए। आंखों में जलन और सूजन, दर्द, आंख में चोट लगने पर, आंखों से किसी तरह का डिस्चार्ज होने पर,ध्यान रखने पर भी आंखों में लगातार सूखापन रहना ये संकेत देता है कि आपको आंखों के डॉक्टर के पास चेकअप करवाने जाना चाहिए।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेषः गंभीर रोग आ सकता है मेष राशि वालों के लिए यह सप्ताह दुखद रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप परेशान रहेंगे। किसी गंभीर रोग के कारण परिवार को कष्ट झेलना पड़ेगा। पारिवारिक स्थिति में तनावपूर्ण माहौल रहेगा। परिजनों से विवाद भी संभव है। आर्थिक संकट बरकरार रहेगा। कार्य-व्यवसाय में मंदी का दौर चलेगा।

वृषभः शारीरिक रोग परेशान करेंगे वृषभ राशि वालों के लिए यह सप्ताह चुनौती भरा रहेगा। आपकी राशि का स्वामी शुक्र स्वराशि में है इसलिए मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। पुराने संबंधों को पुनर्जीवित करने का समय है। हालांकि शारीरिक रोग परेशान करेंगे, लेकिन घबराने की बात नहीं है,

मिथुनः योग-प्राणायाम करें यह सप्ताह अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखने का है। खानपान का ध्यान रखें, योग-प्राणायाम करें। धर्म-संस्कृति, अध्यात्म की ओर रूझान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार के साथ सामंजस्य बढ़ेगा। संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, संतान पक्ष से संबंध मजबूत होंगे।

कर्कः खानपान का ध्यान रखें आपकी राशि का स्वामी चंद्रमा इस सप्ताह के दौरान मिथुन और स्वराशि कर्क में गोचर करेगा। इस दौरान आपको मानसिक रूप से मजबूती आएगी। मानसिक कष्ट दूर होंगे और आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से समय ठीक है। पुराने और गंभीर रोग दूर होंगे, लेकिन सतर्कता रखना आवश्यक है।

सिंहः मन में आएगी सात्विकता आपकी राशि का स्वामी सूर्य बृहस्पति की राशि मीन में गोचर कर रहा है। इसलिए आपके मन में सात्विकता के साथ तेज भी आएगा। आत्मविश्वास के दम पर मुश्किल कामों पर भी जीत हासिल करने में कामयाब होंगे। बात यदि स्वास्थ्य की करें तो सेहत नरम-गरम रह सकती है, इसलिए जरा भी स्वास्थ्य खराब लगे तो पूर्णतः आराम करें। आर्थिक कमी महसूस नहीं होगी, लेकिन कार्यों में ठहराव रहेगा।

कन्याः परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे कन्या राशि के लिए यह सप्ताह कुछ सुधार और राहतभरा रहेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे राशि स्वामी बुध का गोचर इस समय कुंभ राशि में हो रहा है। यह शनि की राशि है इसलिए आप इस समय कुछ नया और क्रिएटिव करेंगे। रहस्यमयी और गूढ़ विद्याओं में आपकी रुचि जागेगी।

तुलाः प्रेम संबंध मजबूत होंगे तुला राशि के स्वामी शुक्र का गोचर वृषभ राशि में हो रहा है। तुला भी शुक्र की ही राशि है इसलिए आपके प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। आर्थिक संपन्नता प्राप्त होगी। धन का आगमन होगा। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। भाई-बहनों के साथ संबंधों को ऊर्जावान बनाने में कामयाब होंगे।

वृश्चिकः संयमित जीवन जिएं राशि स्वामी मंगल की शनि और बृहस्पति के साथ युति आपको नियंत्रित जीवन जीने और मर्यादा में रहने का संकेत दे रही है। इस सप्ताह अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार के किसी सदस्य को संक्रामक रोग होने की आशंका है, इसलिए सावधान रहें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। दवाओं पर खर्च होगा।

धनुः सात्विक जीवनशैली अपनाएं राशि स्वामी बृहस्पति इस समय शनि और मंगल के साथ युति बना रहे हैं। इसलिए इस सप्ताह के दौरान आपको सात्विक जीवनशैली अपनाना होगी। अपने आहार को संतुलित रखें, योग, ध्यान, प्राणायाम करें। यह समय परिजनों के साथ बिगड़े संबंधों को सुधारने का है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकरः रहस्यमयी विद्याओं में बढ़ेगी रुचि इस राशि का स्वामी शनि इस समय दो ग्रहों मंगल और बृहस्पति के साथ युति में है। आपकी आध्यात्मिकता में वृद्धि होगी, प्राच्य विद्याओं और रहस्यमयी साहित्य की ओर आपका रूझान रहेगा। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। सेहत नरम-गरम हो सकती है, इसलिए यथासंभव आराम करें।

कुंभः लेखन की ओर रहेगा रूझान कुंभ राशि में बुध की उपस्थित के कारण आपका रूझान साहित्य, लेखन और सृजनात्मक कार्यों की ओर बढ़ेगा। अपने मन के विचारों को शब्दों का रूप देंगे, जिससे संभव है आप कामयाबी का नया शिखर छू लें। आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है, लेकिन आने वाला कल बेहतर है।

मीनः किसी काम में नहीं लगेगा मन मीन राशि के लिए यह सप्ताह थोड़ा आलस भरा रहेगा। किसी काम में मन नहीं लगेगा। जीवन में ठहराव महसूस करेंगे। परिवार के साथ कुछ मजेदार करने का प्रयास करें। राशि स्वामी बृहस्पति शनि और मंगल के साथ है, इसलिए अपने भीतर छुपे कलाकार को जगाएं और कुछ ऐसा करें कि दुनिया पर छा जाएं।

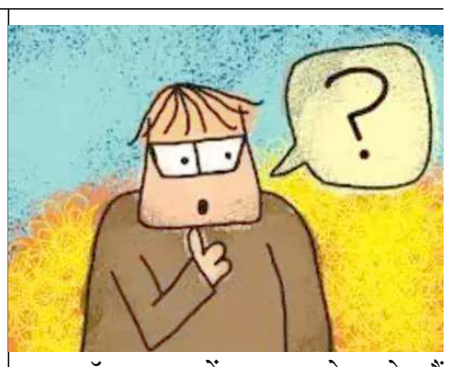

इस लॉकडाउन में इतना सो चुके हैं कि......अब तो सपने भी रिपीट होने लगे हैं।

समय-समय की बात है। कभी घर पर पड़े रहने वाला निकम्मा कहा जाता था......और आज समझदार कहा जा रहा है।

कोरोना ने सारे फर्क को कुछ इस कदर मिटा दिया......बेरोजगार कहके जो हंसते थे हम पर, उन्हें भी घर पे बिठा दिया।

वे बिना मास्क लगाए गरीबों को मास्क बांट रहे थे।...मैंने कहा, भाई आप तो मास्क लगा लो तो उन्होंने कहा कि फिर फेसबुक पर लोग पहचानेंगे कैसे?

21 दिन के लॉकडाउन में रामायण-महाभारत देखने के बाद ऑफिस जाने पर हो सकता है कि......अपने बॉस को देखते ही मुंह से निकल जाए, महाराज की जय हो।

सभी डीएम-एसपी नागौर से सीखें, तोड़ दिया कोरोना का चक्रव्यूह!

नागौर। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। देश में लागू लॉकडाउन के बाद कोरोना पॉजिटिव मामले तेजी से सामने आए है। ऐसे में राजस्थान का एक ऐसा जिला है, जो कोरोना संक्रमण को रोकने में सफल हुआ है। ऐसा तब हुआ है जब इस जिले को चारों तरफ लगने वाले 7 जिलों में कोरोना पॉजिटिव केस है।

जी हां, हम बात कर रहे हैं राजस्थान के नागौर जिले की। नागौर जिले में अभी तक कोरोना संक्रमण का कोई भी केस सामने नहीं आया है। कोरोना पॉजिटिव केस वाले जिलों से घिरे नागौर जिले में पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

इन सात जिलों से घिरा है नागौर

दरअसल नागौर जिले के चारों तरफ सात जिलों की सीमा लगती है. ये जिले हैं- बीकानेर, जोधपुर, सीकर, अजमेर, चूरू, जयपुर और पाली, इन सभी जिलों में कोरोना वायरस से संक्रमण के पॉजेटिव मामले सामने आ चुके हैं। बीकानेर में 3, जोधपुर में 44 (इसमें 27 ईरान से आए), जयपुर में 55, अजमेर में 5, चूरू में 10, पाली और सीकर में एक-एक कोरोना संक्रमित मिला है। ऐसे में अब तक कोरोना संक्रमण को नागौर जिले में आने से रोकने में नागौर पुलिस प्रशासन सफल हुआ है।

फ्लैग मार्च कर दिया सख्त संदेश

अबतक संक्रमण को रोकने में सफल हुए नागौर के पुलिस प्रशासन की टेंशन और जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। इसी को देखते हुए शनिवार को कलेक्टर व एसपी के नेतृत्व में नागौर के प्रशासन ने पूरे जिले में फ्लैग मार्च किया और सख्त संदेश दिया। वहीं जिले की जनता का आभार में जताया क्योंकि नागौर में इसे लेकर जनता भी बेहद सतर्कता बरती जा रही है।

आमजन से घरों में रहने की अपील

एसपी डॉ.विकास पाठक ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन को पूरी तरह सफल बनाने के लिए आज नागौर पुलिस ने जिले भर के सभी बड़े शहरों और कस्बों में फ्लैग मार्च निकाला। नागौर एसपी ने बताया कि फ्लैग मार्च के जरिए आमजन से घरों में रहने की अपील की गई, नागौर पुलिस द्वारा गाड़ियों और पैदल फ्लैग मार्च निकाला गया और इस फ्लैग मार्च के जरिए यह संदेश दिया कि लोगों क अपने घरों में रहना है और अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकालना है।

हमारी भूमिका में जिले की 30 लाख जनता

एसपी डॉ. विकास पाठक ने बताया कि नागौर जिले के लोगों का सहयोग काबिले तारीफ है। लॉकडाउन शुरू होने के दौरान जिले में हम 2 हजार पुलिसवाले जिले में लॉकडाउन को सफल बना रहे थे, लेकिन अब नागौर जिले की 30 लाख जनता भी हमारी भूमिका में है और लोग पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। एसपी ने बताया कि बाहर से आने वाले लोगों की हर सूचना जिले के लोगों द्वारा पुलिस को दी जा रही है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है बाहर से आने वाले लोगों की सूचना तत्काल मिलने के चलते हम उनको क्वारंटाइन करने में सफल हुए है।

पुलिस को मिला जनता का पूरा सहयोग

नागौर जिले के चारों तरफ 7 जिलों की सीमा लगती है और इन्हीं जिलों में पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन नागौर पुलिस और प्रशासन द्वारा जिलों की सीमाओं को सील करने और लोगों के अपेक्षाकृत सहयोग के चलते अब तक नागौर जिला के संक्रमण से बचा हुआ है, एसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन के साथ ही जनता का भी पूरा सहयोग रहा और संक्रमण को जिले में आने से रोकने में सफल हुए हैं।

250 किलोमीटर का सफर कर कोरोना मरीजों की सेवा के लिए पहुंचीं 8 महीने की गर्भवती नर्स

चेन्नै/तिरुचि, देश इस वक्त महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस के गंभीर संकट से जूझ रहा है। ऐसे में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस और प्रशासन ने दिन-रात की परवाह किए बगैर खुद को मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया है। ऐसा ही एक किस्सा तमिलनाडु से आया है, जहां 8 महीने की गर्भवती एक नर्स ने मरीजों के इलाज में मदद के लिए 250 किलोमीटर का सफर तय कर डाला। अधिकारी का आया कॉल, 3 दिनों में जॉइन करने का निर्देश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तमिलनाडु के रामनाथपुरम की रहने वाली 25 साल की एक महिला नर्स तिरुचि में एक हॉस्पिटल में कार्यरत हैं। एस. विनोथिनी नाम की यह नर्स अभी आठ महीने की गर्भवती हैं। विनोथिनी को रामनाथपुरम के स्वास्थ्य सेवा के संयुक्त निदेशक (जेडी) का कॉल आया, जिन्होंने उन्हें कोरोना मरीजों के इलाज में मदद के लिए कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर चुने जाने की सूचना दी।

पति के साथ तय किया 250 ख्श का लंबा रास्ता

नर्स को तीन दिनों के भीतर रामनाथपुरम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए एक प्रस्ताव पत्र भेजा गया। विनोथिनी ने सूचना मिलने के बाद खुद की और पेट में पल रहे बच्चे की चिंता किए बगैर ही तिरुचि से 250 किलोमीटर दूर रामनाथपुरम जाने का फैसला किया।

मंत्री के पास गईं, कलेक्टर से मिला लॉकडाउन पास

लॉकडाउन के वक्त में यात्रा करने के लिए नर्स ने के जिला सचिव पी. लेनिन की मदद से पर्यटन मंत्री वेल्लमंडी एन नटराजन से संपर्क किया और पूरी बात बताते हुए तिरुचि तक जाने की इजाजत मांगी। जिसके बाद कलेक्टर एस. शिवरासु की तरफ से उन्हें एक पास दिया गया था। पास मिलने से लॉकडाउन के बाद भी उन्हें बाहर जाने और यात्रा करने की अनुमति मिल गई। इजाजत मिलने के बाद गर्भवती नर्स अपने पति के साथ तिरुचि से रामनाथपुरम पहुंच गईं।

कर्नाटक के मंत्री के सुधाकर ने बी श्रीरामुलु से मतभेद की खबरों को गलत बताया

बेंगलुरु, कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री के सुधाकर ने मंत्रिमंडल के सहयोगी बी श्रीरामुलु के साथ मतभेद की मीडिया में आयी खबरों को गलत ठहराते हुए कहा कि इन खबरों के पीछे गंदी राजनीतिक साजिश थी। सुधाकर ने ट्वीट कर यह स्पष्ट किया कि उनके और स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलु के बीच कोई मतभेद नहीं थे। उन्होंने ट्वीट किया, ''हमने कोरोना वायरस का मुकाबला करने के लिए अपनी कमर कस ली है। हम बातचीत के माध्यम से रास्ता ढूंढ रहे हैं। मैं और श्रीरामुलु लोगों के विकास के लिए भाइयों की तरह मेहनत कर रहे हैं।' पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कुछ दिनों पहले सुधाकर और श्रीरामुलु के बीच प्रसिद्धि पाने की होड़ के बारे में टिप्पणी की थी, जिसका चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने जोरदार खंडन किया ।

कोरोना वायरस संक्रमित महिला की मौत

जयपुर, राजस्थान में कोरोना वायरस से संक्रमित 60 वर्षीय महिला की शनिवार को मौत हो गयी। यह महिला बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती थी और उसने हाल में कोई यात्रा नहीं की थी। इस बीच, राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के 17 नये मामले सामने आने से राज्य में संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 196 हो गयी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) रोहित कुमार सिंह ने बताया कि इन नये मामलों में आठ लोग तबलीगी जमात के कार्यक्रम में भाग लेकर लौटे हैं और ये लोग दिल्ली में धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में गए थे। इनमें से छह झुंझुनू और दो चुरू के लोग हैं। जोधपुर में संक्रमण के पांच नये मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ''बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में पिछले चार दिन से भर्ती एक बुजुर्ग महिला (60) की आज मौत हो गयी। उसने हाल में कोई यात्रा नहीं की थी। वह दिव्यांग थीं और वेंटिलेटर पर थी।''

बेंगलुरु के शेल्टर होम में रहना सुरक्षित नहीं, सोशल डिस्टेंसिंग का हाल बेहाल

बेंगलुरु, ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिकाऔर दूसरे गैर सरकारी संगठन जैसे भारत और सामुदायिक विकास सेवा सोसायटी व सेंटर फॉर अर्बन एंड रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एडीएए) उन सैकड़ों-हजारों लोगों को भोजन और आश्रय मुहैया कराने की कोशिश कर रहा है जो लॉकडाउन के चलते बेंगलुरु में फंसे हुए हैं। हालांकि उनके इरादे अच्छे हैं, लेकिन लोगों की बढ़ती संख्या के चलते ऐसे शेल्टर होम अब सुरक्षित नहीं हैं। प्लानिंग की कमी के चलते इन जगहों पर ज्यादा भीड़ होने के कारण सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है, जिससे वहां रह रहे लोगों को सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।लॉकडाउनः बेंगलुरु के शेल्टर होम में रहना सुरक्षित नहीं, सोशल डिस्टेंसिंग का हाल बेहाल स्थानीय अधिकारियों और एनजीओ का कहना है कि उन्होंने शहर में लॉकडाउन के कारण फंसे लगभग 450 लोगों को शरण दी है। अहमदाबाद के मूल निवासी नौशाद और मोहम्मद इस्तखार दो ऐसे लोग हैं जो एक शेल्टर होम से दूसरे शेल्टर होम घूम रहे थे, जो कि भूखे और थके थे। नौशाद ने बताया कि उनके ठेकेदार ने उन्हें एक महीने का वेतन दिया और जाने को कह दिया। जब उन्होंने रेलवे स्टेशन पर शरण ली तो पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और वहां से बाहर कर दिया। ऐसे में मैजेस्टिक के पास तैनात एक पुलिसकर्मी ने उन्हें गुड शेड रोड पर दो शेल्टर होम में जाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि जब वे वहां (शेल्टर होम) गए, तो पाया कि वहां कोई जगह खाली नहीं थी। वे वर्तमान में एक वाणिज्यिक परिसर के फुटपाथ पर सो रहे हैं।

शहर भर में कुल नौ शेल्टर होम

की बोर्ड निदेशक अमृता ने बताया कि शहर भर में कुल नौ शेल्टर होम हैं। जिनमें से चार मैजेस्टिक और अपरपेट में स्थित हैं। सैकड़ों लोगों के आश्रय बदल जाने के कारण बीबीएमपी को पास के गांधीनगर में सरकारी स्कूलों और कन्वेंशन हॉल में भी व्यवस्था के लिए मजबूर होना पड़ा है। आश्रय प्रबंधक लक्ष्मी भारती ने कहा कि एक अन्य गैर सरकारी संगठन इम्पैक्ट इंडिया कंसोर्टियम भी के साथ काम कर रहा है जबकि एडीएए ने फंसे हुए लोगों की रोजमर्रा वाली जरूरत की चीजों की सप्लाई, भोजन और चिकित्सा का इंतजाम किया है। शेल्टर में एक कमरे में 20 बेड बेंगलुरु मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के शेल्टर होम का हाल बुरा है। एक शेल्टर होम का जिक्र करते हुए बताया कि वहां सिर्फ एक कमरे में 20 बेड हैं। इसमें लगभग 60 लोगों को रखा गया है। इसमें कुछ भाग्यशाली हैं जिन्हें बेड मिला हुआ है जबकि अन्य लोग मैट्रेस पर सोते हैं, जो एक एस्बेस्टस शीट ओवरहेड के साथ तिरपाल शीट पर रखा जाता है। के समय में यहां पर सोशल डिस्टन्सिंग का पालन कराना करीब नामुमकिन है. आश्रय में 60 लोगों के लिए केवल दो शौचालय और एक बाथरूम है।

विदेश से आने के बाद सूरत के 42 लोग लापता

सूरत, गुजरात के सूरत जिले में इस महीने विदेश यात्रा करके आए कम से कम 42 लोग अपने पासपोर्ट में दिए गए पते पर नहीं मिले हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि कोरोना वायरस के मद्देनजर केंद्र सरकार ने गुजरात सरकार को करीब 27,000 लोगों की एक सूची सौंपी थी और पासपोर्ट में दिया उनका पता भी बताया था ताकि उनका पता लगाया जा सके और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिल सके। हालांकि 42 'लापता' में से 16 पलसाना क्षेत्र, नौ बारदोली क्षेत्र, छह-छह लोग चोरायासी और ओल्पाद क्षेत्र से हैं। इसके अलावा तीन मंगरोल और दो कमरेज क्षेत्र से हैं। अधिकारी ने बताया कि विदेश यात्रा से लौटे ज्यादातर लोग मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ और चेन्नई हवाईअड्डे पर आए थे। गुजरात में अब तक 73 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और छह लोगों की मौत हो चुकी है।

30 लाख से अधिक लोगों के खातों में गहलोत सरकार डालेगी 2500 रुपए

जयपुर। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने कोरोना के चलते लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद परिवारों को दी जा रही सहायता राशि अब ढाई गुना बढ़ा दी है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल ने शुक्रवार को इस संबंध में सरकार की ओर से पूर्व में 1000 रुपए की राशि को बढ़ा कर 2500 रुपए करते हुए गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता दिए जाने की जानकारी दी। मेघवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने 25 मार्च को विभिन्न श्रेणियों के पात्र परिवारों को 1000 रुपए की सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया था। अब राज्य सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणियों में पात्र परिवारों को 1500 रुपए की सहायता राशि और देने का निर्णय किया है।

30 लाख 81 हजार से अधिक परिवारों को लाभ

राज्य सरकार की यह सहायता राशि 30 लाख 81 हजार 634 पात्र परिवारों को दी जा रही है। राज्य स्तर से 2500 रुपए की यह सहायता अतिरिक्त श्रेणी 1 और 2 के शेष परिवारों तथा श्रेणी तीन और चार के समस्त परिवारों को उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए जिला स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पहली किस्त में 1000, दूसरी में 1500 रुपए मिलेंगे

सरकार प्रथम किस्त 1000 रुपए की सहायता राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जिला कलक्टर द्वारा श्रम विभाग को उपलब्ध कराया जाएगा तथा दूसरी किस्त की राशि 1500 रुपए के क्रम में उपयोगिता प्रमाण पत्र आयुक्त, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को उपलब्ध कराया जाएगा।

सभी जिलों में ट्रांसफर किए रुपए, अब सीधे बैंक खातों में

मंत्री मेघवाल ने बताया कि राशि 1500 रुपए प्रति परिवार की सहायता के लिए संबंधित जिलों के जिला कलक्टर द्वारा इंगित बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई है। राज्य स्तर से जिन पात्र परिवार को सहायता राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है उनकी सूची क्षेत्रवार डाउनलोड करने की प्रक्रिया के बारे में भी अवगत करा दिया गया है।

93 प्रवासी कामगारों को गिरफ्तार किया गया

सूरत, गुजरात के सूरत शहर में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कथित रूप से उल्लंघन और पुलिसकर्मियों पर हमले के आरोप में 93 प्रवासी कामगारों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त विधि चौधरी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गणेश नगर और तिरुपति नगर इलाकों में रह रहे लगभग 500 प्रवासी कामगार रविवार रात सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। वे अपने मूल निवास स्थानों पर जाने के लिये वाहन उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा सूरत के पंडेसरा इलाके में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग रहते हैं, यहीं पर गणेश नगर और तिरुपति नगर इलाके हैं। वे यहां पावरलूम और वस्त्र प्रसंस्करण इकाइयों में काम करते हैं।चौधरी ने कहा, ''पुलिस जब उनसे घरों में रहने का अनुरोध कर रही थी तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में पुलिस के कई वाहनों को नुकसान हुआ।'' चौधरी ने कहा कि पुलिस ने भीड़ को तितर बितर करने के लिये आंसू गैस के 30 गोले छोड़े। इस दौरान उनकी गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि कुछ उपद्रवियों को रविवार रात जबकि कुछ को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, ''हमने 500 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और 93 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ दंगा, पुलिस पर हमला, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराओं और पाबंदियों के उल्लंघन के लिये खिलाफ महामारी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। ''

शशि थरूर ने पीएम मोदी पर कसा तंज, पई ने कहा-अनाड़ी सांसद

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर रविवार रात 9 बजे से 9 मिनट के लिए देशवासी अपने-अपने घरों की बत्तियां बुझा देंगे और कैंडल, दीपक, टॉर्च या मोबाइल फ्लैशलाइट जलाएंगे। मोदी की इस अपील पर समर्थक और विरोधियों के बीच सोशल मीडिया पर जंग जारी है। दोनों तरफ से एक से बढ़कर एक तर्क-कुतर्क दिए जा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लि. की एक चिट्ठी के हवाले से पीएम पर तंज कसा तो जवाब में इन्फोसिस के पूर्व डायरेक्टर और अक्षय पात्र के संस्थापक टीवी मोहन दास पई ने थरूर को अनाड़ी बता डाला।

थरूर का पीएम पर तंज

थरूर ने यूपी पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लि. के लोड डिस्पैच सेंटर की चिट्ठी ट्वीट करते हुए लिखा, 'रविवार को 9 बजे रात में बिजली की मांग अप्रत्याशित कमी हो जाएगी और फिर 9.09 बजे अचानक बहुत बढ़ जाएगी। इस कारण इलेक्ट्रिकल ग्रिड क्रैश कर सकते हैं।' कांग्रेस सांसद ने लिखा, 'इसलिए इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड्स रात 8 बजे से ही बिजली काटने और 9.09 बजे वापस देने की सोच रहे हैं।' उन्होंने तंज किया, 'प्रधानमंत्री ने एक और चीज पर विचार नहीं किया।'

चिट्ठी में क्या है

दरअसल, थरूर और पई के बीच छींटाकशी का कारण जो चिट्ठी बनी है, उसमें अचानक लोड शेडिंग और फिर अचानक हाई पावर डिमांड के कारण कुछ संभावित परेशानियों का जिक्र किया गया है। इन परेशानियों से बचने के लिए संबंधित विभागों और कर्मचारियों को कुछ निर्देश भी दिए गए हैं। मतलब साफ है कि कल रात 9 बजे से 9 मिनट के लिए घरों की लाइटें बुझाने पर इतनी पावर ग्रिडों पर ऐसी कोई आफत नहीं आने वाली जिसे संभाला नहीं जा सके। चिट्ठी में भी यह नहीं कहा गया है। यह चिट्ठी विभाग के अंदर दिशा-निर्देश तय करने के लिए एक औपचारिकता मात्र है। हालांकि, जब कांग्रेस सांसद ने जब इसके बहाने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा तो वह खुद भी पई के शिकार हो गए।

कोरोना का खौफ, सोसायटी ने बच्चे ने छींका तो महिला को बाहर निकाला

सूरत, कोरोना वायरस के मामले जैसे-जैसे बढ़ते जा रहे हैं, लोगों में इसका खौफ भी बढ़ रहा है। गुजरात के सूरत में हद तो तब हो गई जब एक स्कूल टीचर को उसकी सोसायटी के लोगों ने इसलिए जबरन निकाल दिया, क्योंकि उसके ढाई साल के बेटे ने छींक दिया था। सोसायटी के लोगों का मानना है कि उसका बेटा कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, राधिका मनीष गामित सूरत के उमरा में एक स्कूल टीचर हैं। वह छह महीने की छुट्टी के बाद तापी स्थित अपने घर से वापस आई थीं। उन्होंने सूरत के ओल्पाड़ी स्ट्रीट स्थित अमर पैलेस अपार्टमेंट में एक फ्लैट किराए पर लिया था। मंगलवार को 29 वर्षीय राधिका अपने पिता और बच्चे के साथ अपार्टमेंट में जब घुस रही थीं, तो कुछ पड़ोसियों ने देखा कि उस वक्त उनका बच्चा छींक रहा था। वह अपने स्कूल में बने रिलीफ सेंटर से जब वापस आईं तो सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें बताया कि सोसायटी के प्रेसिडेंट नहीं चाहते कि वह यहां रहें क्योंकि उनका बेटा कोरोना से संक्रमित हो सकता है। सोसायटी के लोग घर आए और फ्लैट छोड़ने के लिए कहा इसके कुछ देर बाद सोसायटी प्रेसिडेंट राजेश पटेल और अन्य लोग आए और उनसे अपार्टमेंट छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बताया,

'मैंने प्रेसिडेंट और बाकी सबको समझाया कि मेरा बच्चा संक्रमित नहीं है और तापी के व्यारा कस्बे से कोरोना का एक भी मामला नहीं आया है। मेरी सहकर्मी जसुबेन ने भी आकर उन्हें समझाया, मगर उन्होंने कोई बात नहीं सुनी।'

सोसायटी प्रेसिडेंट ने पुलिस की भी नहीं सुनी राधिका ने अपने स्कूल सुपरवाइजर हसन शाह को सूचित किया। दोनों उमरा पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस ने सोसायटी प्रेसिडेंट को फोन लगाकर कहा कि मां-बेटे को कोई बीमारी नहीं है और इन्हें रहने दिया जाए, इस पर भी वह नहीं तैयार हुए।

'हमारे भी बच्चे हैं, हम रिस्क नहीं ले सकते' सोसायटी प्रेसिडेंट राजेश पटेल ने कहा, 'हमारे भी बच्चे हैं और उन्हें इन्फेक्शन हो सकता है। उनके लिए हम महिला को नहीं रहने दे सकते। उसने बताया है कि उसे और उसके बेटे को कोई बीमारी नहीं है मगर हम रिस्क नहीं ले सकते।' राधिका ने रात में ही खाली कर दिया फ्लैट मंगलवार रात को ही राधिका अपने बेटे के साथ स्कूल चली गईं और रात वहीं बिताई।

बुधवार सुबह उनका भाई आकर उन्हें अपने घर ले गया। राधिका ने कहा, 'उन्होंने मानवता के नाते भी हमें फ्लैट में नहीं रहने दिया। मैंने अपने पति से बात की, मगर वह भी इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात हैं इसलिए आ नहीं सके।'

कामवाली यूं मुश्किल में पड़ी

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में घरों में काम करने वाली एक महिला सड़क पर भटकती मिली। जब स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए आगे आए तो महिला ने बताया कि जिस घर में वह काम करती थी उन लोगों ने कोरोना जैसे लक्षण होने के बाद उसे हटा दिया है। हालांकि पुलिस ने जब छानबीन की तो मामला कुछ और ही निकला।

महिला के दावे के विपरीत पुलिस का बयान कुछ और कहानी बयां कर रहा है। रबींद्र सरोवर इलाके के पुलिसकर्मियों के मुताबिक महिला ने खुद ही काम छोड़ दिया था। पुलिस के मुताबिक महिला ने कहा था कि उसकी तबीयत सही नहीं है और उसमें कोरोना से मिलते-जुलते लक्षण दिख रहे थे। पुलिसकर्मियों के मुताबिक महिला एक शख्स से मिलना चाहती थी और इसी वजह से उसने पूरी कहानी गढ़ी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'उसने खुद ही काम पर जाना बंद कर दिया। हमारे पास फोन आने के बाद हमने उसे ढूंढा। इसके बाद उसका टेस्ट कराने के लिए ले गए। डॉक्टरों ने उसके कोरोना वायरस से बीमार होने की संभावनाओं को खारिज किया। वह शायद अपने दोस्त से मिलने के लिए बेसब्र थी। इसी वजह से उसने स्थानीय लोगों के पूछने पर कोरोना की कहानी रच दी।' सूत्रों के मुताबिक एक झुग्गी बस्ती के लोगों ने उसे भटकते हुए देख परेशानी की वजह पूछी। इसके बाद उन लोगों ने पुलिस और केएमसी को जानकारी दी। झुग्गी में रहने वाले लोगों ने फिलहाल महिला को शरण देने का फैसला लिया है। एक शख्स ने बताया, 'हमने उसके खाने और रहने का इंतजाम कर दिया है।' झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों के मुताबिक लॉकडाउन की घोषणा के बाद जहां वह काम करती थी उस घर के मालिक ने उससे पांडित्य रोड इलाके में ही रुकने का दबाव डाला। झुग्गी की निवासी मामोनी दास का कहना है, 'यह उनका अधिकार नहीं था।'

SPORTS खेल जगत

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंडुलकर के नाबाद 241 उनकी सबसे अनुशासित पारी : ब्रायन लारा

नई दिल्ली, वेस्ट इंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 'रेकॉर्ड के बादशाह' सचिन तेंडुलकर की नाबाद 241 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अनुशासित पारी थी। टेस्ट में 16 साल की उम्र में डेब्यू करने वाले दिग्गज सचिन इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने अपने 24 साल के लंबे करियर में कई शानदार और मैच विजयी पारियां खेलीं।

लारा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में सचिन की '241' वाली पारी का जिक्र किया। लारा ने लिखा, 'क्या आप 16 की उम्र से अगले 24 साल तक क्रिकेट खेलने की कल्पना कर सकते हैं। यह अविश्वसनीय है। सचिन ने अपने पूरे करियर में कुछ आश्चर्यजनक पारियां खेलीं, लेकिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 241 की तरह अधिक अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ कोई नहीं लगी।' सचिन की इस पारी का जिक्र कर लारा ने सभी से कोविड-19 के खिलाफ इसी तरह का अनुशासन दिखाने की अपील की। साल 2004 में सचिन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 436 गेंदों पर नाबाद 241 रन बनाए थे और भारत ने पहली पारी में 7 विकेट पर 705 रन का विशाल स्कोर बनाया। हालांकि यह मैच ड्रॉ रहा और सचिन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। तब सचिन फॉर्म से जूझ रहे थे और उन्होंने उस सीरीज के फाइनल टेस्ट में कवर ड्राइव तक नहीं लगाने का फैसला किया था। इसके बावजूद उन्होंने दोहरा शतक जड़ा। अपने करियर में रेकॉर्ड 200 टेस्ट मैच खेलने वाले सचिन ने क्रिकेट के लंबे फॉर्मेट में 15921 रन बनाए। उन्होंने 463 वनडे इंटरनैशनल मैचों में कुल 18426 रन बनाए। उनके नाम 100 इंटरनैशनल शतक दर्ज हैं।

89 की उम्र में फिर पापा बनेंगे, फॉर्म्यूला वन के पूर्व बॉस बर्नी एक्लेस्टोन

नई दिल्ली, फॉर्म्यूला वन के पूर्व बॉस (चीफ एग्यूक्यूटिव) बर्नी एक्लेस्टोन एक बार फिर पापा बनने की तैयारी में हैं। 89 साल के बर्नी की वाइफ फैबिना फ्लॉसी, जो बर्नी से उम्र आधी उम्र की हैं, वह प्रेग्नेंट हैं, जुलाई में उनकी डिलिवरी होगी। इंग्लैंड की न्यूज वेबसाइट डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बर्नी और उनका परिवार फैमली में नया सदस्य जुड़ने की इस खबर से बेहद उत्साहित हैं। फॉर्मूला वन में चीफ एग्जीक्यूटिव बनने के बाद बर्नी एक्लेस्टोन ने इस खेल में नई क्रांति ला दी थी। वह 1978-2017 तक फॉर्मूला वन के चीफ एग्जूक्यूटिव रहे। बर्नी की निजी जिंदगी की बात करें तो फैबिया से शादी रचाने से पहले वह दो शादियां कर चुके थे। पहली दो शादियों से उनकी तीन बेटियां हैं। डेली मेल से हुई बातचीत में बर्नी ने इस बारे में बताया, 'इसमें कुछ भी अजीब नहीं है?' बर्नी आज भी अपने आपको जवां महसूस करते हैं और उम्र के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे 29 और 89 की उम्र में कोई अंतर नहीं दिखता।'

जावेद मियांदाद बोले- कोई भी फिक्सिंग का दोषी हो, उसे सजा के तौर पर दो फांसी

नई दिल्ली, पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर जावेद मियांदाद का मानना है कि जो खिलाड़ी क्रिकेट में भ्रष्टाचार करे, उसे सजा के तौर पर फांसी पर चढ़ा देना चाहिए। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा कि जो भी क्रिकेटर इस खेल में फिक्सिंग करता है, वह अपने परिवार के साथ भी धोखाधड़ी करता है। मियांदाद ने कहा, 'फिक्सिंग में शामिल क्रिकेटरों को कड़ी सजा देनी चाहिए। बोर्ड को एक उदाहरण पेश करना चाहिए और ऐसे गलत करने वालों को फांसी पर लटका देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'क्रिकेट से लोग जुड़ते हैं। जब आप कोई सिक्स लगाते हो या जीतते हो तो पूरी दुनिया में पाकिस्तान-पाकिस्तान गूंजता है, लोग खुशियां मनाते हैं। यह गुनाह उतना ही बड़ा है, जितना किसी का कत्ल करना और कत्ल की सजा भी कत्ल होती है।' 62 वर्षीय मियांदाद ने कहा, 'मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी फिक्सिंग करते हैं, वे अपने मां-बाप के साथ भी गलत करते हैं, उनके भी सगे नहीं होते हैं। वे अपने बहन-भाई, परिवार के साथ भी सही नहीं होते। इंसानियत के लिए भी यह सही नहीं है, और ऐसे लोगों को जिंदा रहने का अधिकार नहीं है।' उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों के लिए आसान होता है कि पहले वे फिक्सिंग जैसे गलत काम करें, इससे पैसा कमाएं और फिर अपने कनेक्शन से टीम में वापसी कर लें। कोई गलती करेगा तो माफी मांगेगा ना, इसलिए बोर्ड को उदाहरण पेश करना चाहिए।' पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट और 233 वनडे इंटरनैशनल मैच खेलने वाले मियांदाद ने इसे इस्लाम से जोड़ते हुए कहा, 'यह बात इस्लाम में सिखाई गई बात के खिलाफ है और इसको इसी तरह से लेना चाहिए।' पाकिस्तानी के काफी क्रिकेटरों पर फिक्सिंग के आरोप लगे हैं लेकिन कई तरह की कोशिशों के बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ऐसे मामलों को खत्म नहीं कर सका है।

विश्व कप १९७५: जब हार की कसक बनी थी भारतीय हॉकी टीम के लिए जीत की प्रेरणा

नई दिल्ली, पैंतालीस बरस पहले 15 मार्च को कुआलालम्पुर में विश्व कप फाइनल में जब भारतीय हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ उतरी तो पूरा देश रेडियो पर कान लगाए बैठा था लेकिन मैदान पर उतरे भारतीय खिलाड़ियों के जेहन में एक ही बात थी कि दो साल पहले मिली हार का बदला चुकता करना है। दुनिया में आज चौथे नंबर की टीम भारत ने एकमात्र विश्व कप कुआलालम्पुर में 15 मार्च 1975 को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर जीता था। भारत नीदरलैंड में 1973 विश्व कप फाइनल में मेजबान से हार गया था। फाइनल के 51वें मिनट में पाकिस्तान के खिलाफ विजयी गोल दागने वाले अशोक कुमार ने बातचीत में कहा, 'हम 1973 में जीत के करीब पहुंचकर हारे थे और यह कसक सभी खिलाड़ियों के मन में थी। दो गोल से बढत लेने के बाद हमने हालैंड को बराबरी का मौका दे दिया। अतिरिक्त समय में मैने गोल मिस किया। सडन डैथ में हमने पेनल्टी स्ट्रोक चूका और टाइब्रेकर में हार गए थे।' उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास मौका था उस कसक को दूर करने का। चंडीगढ में हमने तैयारी की जहां रोज सैकड़ों लोग अभ्यास देखने आते थे। ज्ञानी जैल सिंह मुख्यमंत्री और उमराव सिंह खेल मंत्री थे जो हफ्ते में दो बार मैदान पर आते थे। हमारे हौसले बुलंद थे।' वहीं सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ बराबरी का गोल करके भारत को फाइनल की दौड़ में लौटाने वाले असलम शेर खान ने कहा, 'हम चंडीगढ से ठानकर निकले थे कि जीतकर ही लौटना है। यही पक्का इरादा हमारी जीत की कुंजी था । हम देश के लिये जीतना चाहते थे और यही जज्बा टीम के हर सदस्य में था।' उन्होंने कहा, 'सेमीफाइनल में जब मुझे उतारा गया तब भारत पीछे था और मेरे जीवन का सबसे अनमोल पल रहा जब मैने 65वें मिनट में बराबरी का गोल किया । हार की कगार पर पहुंचकर मिली जीत ने हमारे हौसले बुलंद किए और पाकिस्तान फाइनल में मजबूत टीम होने के बावजूद हमारे आत्मविश्वास का मुकाबला नहीं कर सका।' वहीं अशोक कुमार ने कहा, 'मेरे ऊपर अपेक्षाओं का बोझ था क्योंकि मैं ध्यानचंद का बेटा था और आलोचकों की नजरें भी मुझ पर थी । मैने इसे सकारात्मक लिया और जब मलेशिया में होटल पहुंचे तो लॉबी में रखे विश्व कप को देखकर प्रण किया कि इस बार मेरी ओर से कोई कसर बाकी नहीं रखूंगा।' फाइनल के दिन को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'फाइनल के दिन पूरे देश में छुट्टी कर दी गई थी और रेडियो पर कमेंट्री सुनने के लिए मानो पूरा भारत कान लगाये बैठा था।' असलम ने बताया कि जीत के बाद मलेशिया में भारतीय समुदाय जश्न में डूब गया और हर जगह भारतीय टीम के स्वागत में हजारों लोग ऑटोग्राफ और फोटो के लिए खड़े रहते थे। उन्होंने कहा कि भारत लौटने के बाद नायकों की तरह टीम का स्वागत किया गया। पैंतालीस साल बाद हालांकि उस ऐतिहासिक जीत को मानो भूला दिया गया और किसी ने इन दिग्गजों को याद नहीं किया।

देश परदेश

कोरोना वायरसः डेमोक्रैट सांसद इल्हान का ट्रंप पर हमला, आपके कुप्रबंधन से मरेंगे लाखों अमेरिकी

अमेरिका में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने में ट्रंप प्रशासन बुरी तरह से फेल रही है और अब तक ढाई लाख से ज्यादा लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। इकॉनमी बचाने के लिए ट्रंप ने लॉकडाउन जैसे कड़े कदम नहीं उठाए हैं

वॉशिंगटन, अमेरिका में कोरोना वायरस के पॉजिटिव केस की संख्या धीरे-धीरे 3 लाख के करीब पहुंचती जा रही है और ट्रंप सरकार इसके प्रसार को रोकने में अब तक नाकाम नजर आया है। विश्व शक्ति अमेरिका कोरोना की चपेट में गहरा फंसता जा रहा है तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। विपक्षी सांसद और मेयर ने उनपर कुप्रबंधन के आरोप लगाए हैं और उन्हें लगता है कि ट्रंप की गलती से लाखों निर्दोष जिंदगियां तबाह हो जाएंगी।

मिनेसोटा से डेमोक्रैट सांसद इल्हान उमर ने ट्रंप पर कोरोना वायरस से निपटने में कुप्रबंधन का आरोप लगाए है और उनका दावा है कि ट्रंप की वजह से देश में लाखों जानें जाएंगी। एक अमेरिकी टीवी को इंटरव्यू के दौरान उमर ने कहा, 'जैसे-जैसे दिन गुजर रहा है यह साफ होता जा रहा है कि कैसे इस प्रशासन ने अमेरिकी जनता को बुरी तरह निराश किया है। हम दुनिया के सबसे अमीर देश हैं और हमारे पास हर तरह की सुविधा है, फिर भी लाखों लोग इस कुप्रबंधन और उनकी (ट्रंप) की अयोग्यता के कारण मर सकते हैं।'

कोरोना को कम आंकना बड़ी भूल

अफ्रीकी मूल की सांसद उमर ने राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया कि उन्होंने कोरोना वायरस को कम आंका और यह सुनिश्चित करने में असफल रहे कि देश में पर्याप्त टेस्टिंग हो रही है या नहीं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने बेहद शुरुआत में दावा किया था कि अमेरिका कोरोना वायरस से निपट लेगा, उस वक्त अमेरिका में कोरोना के गिने-चुने मामले थे, लेकिन आज स्थिति यह है कि देश में 2,77,999 कन्फर्म केस हैं और 7,164 लोगों की मौत हो चुकी है।

गलतफहमी की शिकार थी सरकार

इल्हान अकेली नहीं हैं जिन्होंने ट्रंप पर कुप्रबंधन के आरोप लगाए हैं। अमेरिका में कोरोना का केंद्र बन चुके न्यूयॉर्क के मेयर बिल डे ब्लासियो कहते हैं कि हमारे पास तैयारी के लिए काफी कम वक्त बचा था। डेल ब्लासियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि वॉशिंगटन यह मानकर बैठा था कि हमारे पास तैयारी के लिए कई सप्ताह है। सप्ताह नहीं, सिर्फ दिन रह गए थे।' न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस के एक लाख से अधिक पॉजिटिव केस हैं और मरने वालों की संख्या 9/11 टेरर अटैक में मारे गए लोगों से अधिक हो गई है जो अमेरिका के इतिहास की एक बड़ी आपदा के रूप में दर्ज है।

उधर, न्यूयॉर्क के मेयर ने ट्रंप से 1000 नर्स, 150 डॉक्टर और 130 रेस्पायरेटरी थेरेपिस्ट की मांग की है। न्यूयॉर्क शहर को अभी भी 3000 वेंटिलेटर की जरूरत है और उन्होंने शहर में सेना के मेडिकल कर्मियों को तैनात करने की मांग की है। उन्होंने कहा, 'वे ऐक्शन के लिए नहीं लगाए गए हैं। राष्ट्रपति को ऑर्डर देना होगा।'

अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान को चीन ने दिया 'धोखा', भेज दिया अंडरवेयर से बने मास्क

इस्लामाबाद, कोरोना वायरस से जंग लड़ रहे पाकिस्तान को उसके सदाबहार मित्र चीन ने ही 'धोखा' दे दिया है। दरअसल, चीन ने मेडिकल सप्लाई भेजने का वादा किया था और जब चीन से आए सामानों को खोलकर देखा गया तो पता चला कि एन-95 मास्क की जगह अंडरवेयर से बने मास्क पाकिस्तान को पकड़ा दिए गए हैं। यूरोप के कई देशों ने भी इससे पहले शिकायत की थी कि चीन से भेजे गए मास्क और किट खराब गुणवत्ता के हैं। स्पेन और नीदरलैंड्स ने तो मेडिकल सप्लाई वापस करने का भी फैसला कर लिया। चीन ने पिछले दिनों पाकिस्तान से वादा किया था कि वह उसे एन-95 मास्क भेजेगा। पाक पीएम इमरान खान आए दिन कोरोना वायरस से लड़ने की तैयारियों को लेकर अपने भाषणों में चीन का गुणगान करते देखे जाते हैं, लेकिन उन्हें पता ही नहीं था कि इस गुणगान से उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला। पाक मीडिया के मुताबिक, जब चीन से मेडिकल सप्लाई पाकिस्तान पहुंची तो मेडिकल स्टाफ उसे खोल कर हैरान रह गया क्योंकि ये अंडरवेयर से बने मास्क थे। हैरानी की बात यह है कि सिंध की प्रांतीय सरकार ने बिना जांच किए ही अस्पतालों में ये मास्क भी भेज दिए। इससे पहले चीन ने आगे बढ़कर मेडिकल सप्लाई भेजने के लिए गिलगित-बाल्टिस्तान से लगी सीमा को खोलने का अनुरोध किया था।

चीनी दूतावास ने पाक विदेश मंत्रालय के नाम चिट्ठी में कहा था कि शिजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र पाकिस्तान को मेडिकल सप्लाई भेजना चाहता है। इस अनुरोध पर पाक भी फूला नहीं समाया, लेकिन उसे कहां पता था कि चीन उसके साथ ठगी कर लेगा।

विदेश मंत्रालय के नाम चिट्ठी में चीन ने लिखा था कि वह उसे 2 लाख सामान्य मास्क, दो हजार एन-95 मास्क, पांच वेंटिलेटर और 2 हजार टेस्टिंग किट भेजेगा। अभी हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि मास्क के अलावा किसी अन्य मेडिकल सप्लाई में कोई खामी पाई गई है या नहीं।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 2,700 से ज्यादा मामले

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या शनिवार को बढ़कर 2,708 हो गई। अकेले पंजाब प्रांत में इसका आंकड़ा 1000 के पार पहुंच गया है। 'नेशनल हेल्थ सर्विसेज' के मुताबिक कोविड-19 के कारण अब तक 40 लोगों की जान जा चुकी है, हालांकि देश में 140 लोग इसके संक्रमण के बाद ठीक भी हुए हैं।

पाकिस्तान में इस बीमारी के मुख्य केंद्र के तौर पर पंजाब प्रांत उभरा है जहां कुल 1072 मामले सामने आए हैं। सिंध में 839, खैबर पख्तूनख्वा में 343, बलूचिस्तान में 175, गिलगित-बाल्तिस्तान में 193, इस्लामाबाद में 75, पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 11 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि इस घातक वायरस की रोकथाम के लिए उठाए जा रहे सरकार के तमाम कदमों के बावजूद देश में इस बीमारी का प्रसार तेजी हो रहा है। विश्व बैंक ने शुक्रवार को कोरोना वायरस के प्रभाव से निपटने में मदद के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मंजूर की है।

रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक 'पाकिस्तान में प्रभावी तरीके से महामारी प्रतिक्रिया' शीर्षक वाली यह परियोजना सरकार को बीमारी के खिलाफ प्रतिक्रिया देने और जन स्वास्थ्य तैयारियों के लिए एक राष्ट्रीय तंत्र को मजबूत बनाने में मदद देगी। कोविड-19 महामारी का प्रकोप कब तक रहेगा इस बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को निर्माण क्षेत्र के लिए एक व्यापक पैकेज की घोषणा की जिससे अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाया जा सके।

दुनिया कोरोना से ज्यादा कट्टरपंथियों से परेशान है

बनेई ब्राक (इजरायल), भारत और पाकिस्तान में कोरोना वायरस के खिलाफ मजबूती से खड़े स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिसकर्मियों के साथ तबलीगी जमात के कट्टरपंथी समर्थकों की बदसलूकी की घटनाएं सामने आ रही है। इनकी वजह भारत में कोरोना वायरस के मामले में तेजी आई है जिन्होंने नियमों का उल्लंघन कर न सिर्फ जमघट लगाया, बल्कि उनकी जांच कर रहे मेडिकल स्टाफ के साथ बदतमीजी भी की। दुनिया में ये अकेले कट्टरपंथी नहीं हैं जो कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं, इजरायल में भी अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय भी धार्मिक नेताओं की बात मानकर सरकारी गाइडलाइन की अवहेलना करते रहे हैं और नतीजा यह है कि उस समुदाय के आम से लेकर खास सभी कोरोना के चपेटे में हैं। इजरायल का बनेई ब्राक इलाका कोरोना का केंद्र बन गया। यहां कट्टरपंथी धड़े ने दिशानिर्देशों को दरकिनार करते हुए दुकानें खोल रखी थीं जिससे निपटने में स्थानीय प्रशासन को ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा। अब सेना जल्द ही स्थानीय प्रशासन की मदद को सड़क पर उतरने वाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि 40 प्रतिशत आबादी पहले ही संक्रमित हो चुकी है। दरअसल, यह दिक्कत इसलिए आ रही है कि क्योंकि अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय अपने धर्म गुरुओं की बातों का अंधा-अनुसरण कर रहे हैं। इजरायल का अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय भीड़भाड़ वाले पिछड़े इलाकों में रहता है जहां वायरस तेजी से फैला है। छोटी जगहों में एक साथ कई लोग जमा होते हैं और प्रार्थना में हिस्सा लेते हैं। हिब्रू यूनिवर्सिटी के प्रफेसर एच लेविने कहते हैं, 'मैं बेहद चिंतित हूं क्योंकि हमने अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स कम्युनिटी में तेजी से संक्रमण फैलते देखा है और इजरायल की आबादी में भी।'

'करण अर्जुन' के लिए राकेश रोशन की पहली पसंद थे सनी देओल-बॉबी देओल

बॉलिवुड में सनी देओल लोकप्रिय ऐक्टर्स में एक हैं और उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। सनी देओल ने साल 1983 में में फिल्म 'बेताब' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ अमृता सिंह थीं। यह उस साल की सबसे हिट फिल्मों में से एक थी और बॉलिवुड इंडस्ट्री को दो उभरते हुए सितारे मिल गए। सनी देओल के भाई और ऐक्टर बॉबी देओल ने भी साल 1995 में फिल्म 'बरसात' से अपना डेब्यू किया। सनी देओल और बॉबी देओल ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। वहीं, एक बार ऐसा मौका आया जब सनी देओल ने बॉबी देओल के साथ फिल्म में काम करने से मना कर दिया था।

बॉबी देओल के कारण सनी देओल का फिल्म से इनकारबॉलिवुड की हिट फिल्मों में से एक 'करण अर्जुन' के लिए सनी देओल और बॉबी देओल राकेश रोशन की पहली पंसद थे। जब प्रड्यूसर ने सनी देओल से बात की तो उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दी थी लेकिन जब उन्हें पता चला कि इस फिल्म में उनके भाई बॉबी देओल को भी कास्ट किया जाएगा तो उन्होंने फिल्म करण अर्जुन में काम करने से मना कर दिया। सनी देओल ने ऐसा इसलिए किया था क्योंकि बॉबी देओल की पहली फिल्म 'बरसात' रिलीज होने के लिए तैयार थी और उस समय यानी फिल्म रिलीज के पहले को रिस्क नहीं लेना चाहते थे।

अजय देवगन को भी ऑफर की गई फिल्म

अजय देवगन को भी फिल्म 'करण अर्जुन' ऑफर की गई थी लेकिन उन्होंने यह जानने के बाद मना कर दिया कि फिल्म में शाहरुख खान को कास्ट किया गया है। जब सनी देओल और बॉबी देओल और अजय देवगन ने 'करण अर्जुन' के लिए मना कर दिया तब बाद में इस फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 'करण अर्जुन' उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

'द बर्निंग ट्रेन' के रीमेक में लीड रोल में होंगे रितिक रोशन?

कुछ दिनों पहले जैकी भगनानी और जूनो चोपड़ा ने कहा था कि वह रवि चोपड़ा की फिल्म 'द बर्निंग ट्रेन' का रीमेक बनाने जा रहे हैं। ऑरिजनल फिल्म एक मल्टी-स्टारर फिल्म थी और रीमेक की घोषणा करते समय जैकी और जूनो ने इसके कलाकारों की घोषणा नहीं की थी। लगता है कि अब टीम फिल्म की कास्टिंग शुरू करने जा रही है।

फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में लीड रोल रितिक रोशन निभा सकते हैं। एक सूत्र के मुताबिक जूनो और जैकी ने इस फिल्म के लिए रितिक रोशन से बात करने का फैसला किया है। दोनों प्रड्यूसर्स का मानना है कि रितिक रोशन इस फिल्म को और आगे ले जाएंगे। फिल्म का प्री-प्रॉडक्शन का काम शुरू कर दिया गया था लेकिन कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन की वजह से पूरा काम अटक गया है। बताया जा रहा है कि जैसे ही लॉकडाउन खत्म होगा, प्रड्यूसर्स तुरंत रितिक रोशन से संपर्क कर सकते हैं। बता दें कि ऑरिजनल 'द बर्निंग ट्रेन' साल 1980 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म धर्मेंद्र, जितेंद्र, विनोद खन्ना, विनोद मेहरा, हेमा मालिनी, परवीन बाबी, नीतू सिंह और डैनी डेंजोंगपा मुख्य भूमिका में थे। वैसे बता दें कि इससे पहले फराह खान ने भी घोषणा की थी वह अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म 'सत्ते पे सत्ता' का रीमेक बनाएंगी। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि फराह अपनी फिल्म में भी रितिक रोशन को लीड रोल में लेना चाहती हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई कन्फर्म रिपोर्ट नहीं आई है।

वीडियो कॉल पर डांस प्रैक्टिस कर रही हैं माधुरी दीक्षित

कोरोना वायरस ने लोगों को घरों पर रहने के लिए मजबूर कर दिया है और यह हमारे हेल्थ के लिए भी सही है। आम से लेकर खास लोग टाइमपास के लिए अपने रुचि के हिसाब काम कर रहे हैं। वहीं, माधुरी दीक्षित का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वह लॉकडाउन के समय का अच्छा इस्तेमाल कर रही हैं। दरअसल, वह डांस रिहर्सल्स लगातार कर रही हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियोमाधुरी दीक्षित ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह वीडियो कॉल से अपने गुरू से बात करती हैं और इसके बाद वह कथक की प्रैक्टिस करती हैं। ऐक्ट्रेस के गुरू तबला बजा रहे हैं और वह उनसे ताल मिला रही हैं। इस वीडियो के साथ माधुरी दीक्षित ने लिखा, 'इस अनमोल समय को खराब ना करें बल्कि इसका पूरा उपयोग करें... आप जिस चीज को प्यार करते हैं उसे करने से आपको कोई रोक नहीं सकता।'

फ्री में क्लास में दे रहीं माधुरी दीक्षित

बताते चलें कि हाल ही में माधुरी दीक्षित ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक हर सप्ताह दो क्लास फ्री होंगे। ऐक्ट्रेस ने इस कैंपेन का नाम #LearnAMove #ShareAMove है।

दान कर चुकी हैं माधुरी दीक्षित

इससे पहले माधुरी दीक्षित ने कोरोना वायरस के खिलाफ चल रही जंग में अपना योगदान देने का फैसला किया था। उन्होंने ट्विटर पर लिखा था, 'हम सभी को मानवता के लिए हाथ मिलाना चाहिए और ताकि इस लड़ाई से जीता जा सके। मैं पीएम-केयर्स फंड और सीएम रिलीफ फंड में डोनेट कर रही हैं। मजबूत होकर आगे आएं।

जब अभषिक बच्चन के नाम था बॉक्स ऑफिस पर सबसे अधकि कमाई का रिकॉर्ड

अभषिक बच्चन को लेकर आपकी अलग-अलग राय हो सकती है। बॉलिवुड में बॉक्स ऑफिस का किंग कौन है? इसको लेकर भी आप सलमान खान से लेकर आमिर खान और अजय देवगन से लेकर अक्षय कुमार का नाम ले सकते हैं। कुल मिलकार सिनेमा की दुनिया एक ऐसी जगह है, जहां का भगवान हर शुक्रवार को बदल जाता है। रिकॉर्ड बनते हैं, टूटते हैं। लेकिन शायद आप यह जानकर चौंक जाएंगे कि अभषिक बच्चन ने भी एक बार आंकड़ों की इस बाजीगरी में हाथ मारा था। जी हां, अभषिक बच्चन के नाम भी बॉक्स पर सबसे अधकि कमाई करने का एक रिकॉर्ड दर्ज है।

कुछ फिल्में हिट, अधकितर फ्लॉप

अभिषेक बच्चने को इस इंडस्ट्री में करीब-करीब 20 साल का समय हो गया है। इन वर्षों में उनकी कुछ फिल्में अच्छी चलीं तो बहुत सी फिल्में बुरी तरह पिट गईं। 'गुरु' हो या 'बंटी और बबली' उन्होंने जमकर तारीफ बटोरी, तो उनकी अधकितर फिल्में देख दर्शकों ने उनसे पानी तक नहीं पूछा। यह दिलचस्प ही है कि अभषिक बच्चन के फिल्मी करियर में दो-तीन फिल्में ही हैं, जिसमें उन्होंने सोलो हीरो के तौर पर छाप छोड़ी।

मल्टीस्टारर फिल्मों वाला रहा है करियर

अभषिक बच्चन की अधकितर फिल्में मल्टीस्टारर रही हैं। 'धूम सीरीज' से लेकर 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हाऊसफुल 3', 'युवा', 'जमीन', 'दस', 'बोल बच्चन', ये अभषिक बच्च की ऐसी फिल्में हैं जो या तो बॉक्स ऑफसि पर कमाल कर गईं या फिर दर्शकों को देर से ही सही, पसंद जरूर आईं। लेकिन यह भी सच है कि इन फिल्मों का पूरा का पूर क्रेडिट अभषिक बच्चन को नहीं दिया जा सकता है।

साल 2000 में अभषिक ने किया था डेब्यू

खैर, बात साल 2000 की है। अभिषेक बच्चन पर्दे पर डेब्यू कर रहे थे। फिल्म का नाम था 'रिफ्यूजी'। हर किसी की जुबान पर यही चर्चा थी कि 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन का बेटा बॉलिवुड में कदम रख रहा है। बॉक्स ऑफिस से लेकर हर दर्शक की नजर अभषिक बच्चन पर थी। फिर खबर आई कि फिल्म में उनके साथ करिश्मा कपूर की बहन करीना कपूर भी होगी। चर्चा दोगुनी हो गई। फिल्म का गाना 'पंछी नदियां पवन के झोंके...' हिट हो गया।

उस साल पिट गई थीं सभी फिल्में

जेपी दत्ता की यह फिल्म 30 जून 2000 को रिलीज हुई। टिकट खड़िकी पर पहले ही दिन तगड़ी भीड़ देखने को मिली। तब इस फिल्म ने पहले दिन 1.56 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। हालांकि, अगले ही दिन से फिल्म बुरी तरह पिट गई। उसी साल आमिर खान की 'मेला' और शाहरुख खान की 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' भी रिलीज हुई थी। लेकिन अफसोस कि ये दोनों फिल्में भी पिट गईं।

'रिफ्यूजी' बन गई ओपनिंग डे पर सबसे बड़ी फिल्म

अब दिलचस्प बात यह हुई कि बॉक्स ऑफिस पर 'रिफ्यूजी' ओपनिंग डे पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। हालांकि, एक साल बाद ही रितिक रोशन की 'मिशन कश्मीर' ने ओपनिंग डे पर 1.64 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। अभिषेक बच्चन का रिकॉर्ड टूट गया। मौजूदा दौर में ओपनिंग डे पर सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड 'वॉर' के नाम है। इस फिल्म ने पहले दिन 53 करोड़ रुपये से अधकि का बिजनेस किया।

रिकॉर्ड बनते हैं, ताकि टूट सके

रिकॉर्ड बनते-बिगड़ते रहते हैं। लेकिन यह भी सच है कि जब कभी साल 2000 में, ओपनिंग डे पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का जिक्र होगा अभषिक बच्चन का नाम आएगा। उनकी डेब्यू फिल्म 'रिफ्यूजी' का नाम आएगा।

लॉकडाउन के बीच सोशल मीडिया पर चैट शो होस्ट करेंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी के दुनियाभर में फैन यह सनी अच्छी तरह जानती हैं। रहने वाली सनी अब अपने फैन्स रही हैं। खासतौर पर जबकि स लॉकडाउन में घरों में है तो सनी है। दरअसल सनी अपने सोशल लाने जा रही हैं। सनी का यह चैट न केवल खुश करेगा बल्कि रि दौरान ज्यादातर सिलेब्रिटीज अप घर के भीतर अपना समय कैसे बि अपने चैट शो में सिलेब्रिटीज को शामिल करेंगी। यह सनी का ही आइडिया था कि वह अपना अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को लाइव चैट के लिए इस्तेमाल करें। इस चैट शो में सनी अपने सिलेब्रिटी फ्रैंड्स के साथ लाइव चैट के साथ अलग-अलग टॉपिक्स पर बात करते हुए फन ऐक्टिविटीज भी करेंगी। बताया जा रहा है कि इस चैट शो में सिलेब्रिटी फटॉग्रफर डब्बू रतनानी, मॉडल जॉर्जिया ऐड्रियानी, मंदाना करीमी, डेजी शाह, एलनाज नॉरोजी, करिश्मा तन्ना जैसी फेमस सिलेब्रिटीज शामिल हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि सनी का यह चैट शो हर दिन दोपहर 2:30 बजे लाइव होगा। उन्होंने बताया कि इस शो का उद्देश्य बस अपने दोस्तों के साथ सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा मनोरंजक करने का है जिसे सोशल नेटवर्क पर मौजूद लोग इंजॉय कर सकें। अब देखना होगा कि फैन्स को सनी का यह आइडिया कितना हिट करता है।

नहीं सुधरे हालात, तो मई-जून में भी रिलीज नहीं होंगी फिल्में

कोरोना वायरस के खौफ के चलते पहले अक्षय कुमार की 'सूर्यवंशी' और फिर रणवीर सिंह की '83' पोस्टपोन हो गई। लेकिन इंडस्ट्रीवाले इस वायरस के असर से इतने सहमे हुए हैं कि इसका असर ईद तक देख रहे हैं। फिल्म ड्रिस्ट्रीब्यूटर राज बंसल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'इस साल ईद पर सिर्फ एक फिल्म रिलीज होगी।

उसका नाम है 'कोराना वायरस इन इंडिया'।'

इस पर सलमान खान के तमाम फैन उनके नाराज हो गए, तो कुछ लोगों ने इस पर सहमति भी जताई।

बता दें कि इस साल ईद पर सलमान खान की फिल्म 'राधेः योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' रिलीज के लिए प्लान है। वहीं अक्षय कुमार की 'लक्ष्मी बम' भी ईद पर ही रिलीज होनी है। हालांकि लॉकडाउन खत्म होने के बाद फिल्मों की रिलीज को लेकर इंडस्ट्रीवालों की अलग-अलग राय है।

मसलन ट्रेड ऐनालिस्ट सुमित कदेल का मानना है कि थिअटर खुलने के बाद एकदम से नई फिल्में रिलीज नहीं होंगी। ऐसे में, 'बागी 3' और 'अंग्रेजी मीडियम' दोबारा रिलीज हो सकती हैं। इस तरह सिनेमावालों को भी राहत मिलेगी और बॉक्स ऑफिस को भी।

वरना लेने होंगे मुश्किल फैसले

करीब दो हफ्ते पहले दिल्ली के सिनेमावालों ने 31 मार्च तक सिनेमाघर बंद करने की प्लानिंग की थी। लेकिन उस समय किसी को नहीं पता था कि सिनेमा बंद करने की अवधि बढ़ एक महीने से ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में, अब सिनेमा बंद होने के करीब दो हफ्ते बाद सिनेमा और फिल्म इंडस्ट्रीवालों की बेचैनी साफ नजर आने लगी है। इस बारे में बात करने पर राजधानी के डिलाइट सिनेमा सीईओ राजकुमार मेहरोत्रा कहते हैं, 'सिनेमा बंद होने के बाद हमें पहली सैलरी कुछ दिनों में देनी है। प्रधानमंत्री मोदी की अपील के मुताबिक सभी सिनेमावाले स्टाफ को पूरी सैलरी दे रहे हैं। लेकिन अगर लॉकडाउन 14 अप्रैल के बाद भी चलता है, तो मजबूरन हमें मुश्किल फैसले लेने होंगे।'

हालांकि मेहरोत्रा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से संतुष्ट हैं और उन्हें उम्मीद है कि 14 अप्रैल तक चीजें संभल जाएंगी। वह कहते हैं, 'हमारे यहां सरकार ने समय से लॉकडाउन कर दिया है। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि 14 अप्रैल तक चीजें संभल जाएंगी। मुझे लगता है कि हमारे यहां यूरोपीय देशों की तरह स्थिति नहीं बिगड़ेगी और चीजें संभलने के एकाध हफ्ते बाद थिअटर भी चालू हो सकते हैं। वैसे भी तमाम फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि ईद की रिलीज डेट बॉलिवुड के लिए अच्छी होने वाली है।'

हजारों करोड़ का है नुकसान

लॉकडाउन से सिनेमा इंडस्ट्री को हो रहे नुकसान के बारे में पूछने पर मिराज सिनेमा के एमडी अमित शर्मा ने बताया कि इंडस्ट्री से लगभग ढाई लाख लोग डायरेक्ट या इनडायरेक्ट तरीके से जुड़े हैं। अगर यह स्थिति लंबी चली तो मुश्किलें ज्यादा बढ़ सकती हैं। देशभर की सिनेमा इंडस्ट्री से लगभग 20 हजार करोड़ की कमाई होती है और इस हिसाब से एक दिन भी सिनेमाहॉल बंद होने पर मोटा नुकसान होता है। हालांकि अमित यह भी कहते हैं कि एक बार सबकुछ नॉर्मल होने के बाद अगर हर एक छोटी-बड़ी फिल्म 10-20 पर्सेंट ज्यादा कलेक्शन करती है तो नुकसान की रिकवरी हो जाएगी।

अप्रैल में अच्छे नहीं हैं आसार

मुंबई के ट्रेड ऐनालिस्ट की राय थोड़ी अलग है। उनके मुताबिक, 'कोरोना वायरस के चलते इंडस्ट्री को अभी 400-500 करोड़ का नुकसान हो चुका है। अगर यह कंडिशन थोड़ी लंबी खिंचता है तो बहुत ज्यादा नुकसान होने की संभावना है। असल में यह साल बॉक्स ऑफिस के लिए शुरू से ही अच्छा नहीं रहा है। अजय देवगन की तान्हाजी को छोड़ दें तो पहले 3 महीनों में कोई भी फिल्म 100 करोड़ के क्लब में एंट्री नहीं कर सकी है। बागी 3 के रिलीज होने के ही दूसरे हफ्ते में सिनेमाहॉल बंद हो गए। अभी तो अप्रैल के आसार भी अच्छे नजर नहीं आ रहे हैं।'

शाहरुख खान ने क्वारंटीन लोगों के लिए खोला अपना पर्सनल ऑफिस

भारत इन दिनों कोरोना वायरस जैसी महामारी से परेशान है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपील की थी कि कोरोना से लड़ने के लिए देशवासी जो भी डोनेशन करना चाहें, पीएम केयर्स फंड में कर सकते हैं। इसके बाद तमाम लोगों ने इसमें सहयोग राशि दान की जिसमें कई बड़े बॉलिवुड सिलेब्स भी शामिल हैं। सुपरस्टार शाहरुख खान ने भी इस वायरस से लड़ने के लिए मदद को हाथ आगे बढ़ाया था। अब नई जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अपना ऑफिस भी क्वारंटीन लोगों के लिए ओपन कर दिया है। दरअसल, बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी के ऑफिशल ट्विटर हैंडल से शनिवार को एक ट्वीट किया गया। ट्वीट में लिखा है, 'हम शाहरुख खान और गौरी खान को धन्यवाद करते हैं जो उन्होंने अपना जरूरत के सामानों से लैस 4 मंजिला पर्सनल ऑफिस स्पेस क्वारंटीन बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए ऑफर किया ताकि हमारी क्वारंटीन कैपसिटी बढ़ाई जा सके।'

ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

बता दें, बीते दनिों शाहरुख खान को डोनेशन को लेकर ट्रोल कयिा गया था लेकिन उनकी दरियादिली देखकर अब ट्रोलर्स की बोलती बंद हो गई है। जैसे ही यह ट्वीट आया, उनके फैंस अपने फेवरिट स्टार के सपॉर्ट में ट्वीट्स करने लगे।

70 करोड़ का डोनेशन?

हाल ही में शाहरुख की आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स, एंटरटेनमेंट कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और रेड चिलीज वीएफएक्स और एनजीओ मीर फाउंडेशन ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। किंग खान की टीम ने एक उनका एक लेटर पोस्ट किया था। इसमें जानकारी दी गई कि कौन सा संगठन किस तरह से लोगों की मदद करेगा। सोशल मीडिया पर यह भी चर्चा होने लगी कि इस तरह से एसआरके ने करीब 70 करोड़ का डोनेशन किया है। पीएम-केयर्स फंडः शाहरुख खान, गौरी खान, जूही चावला और जय मेहता की आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स पीएम केयर्स फंड में दान करेगी।

सड़क हादसे की शकिार, लॉकडाउन में आधी रात को निकलीं थी बाहर

साउथ ऐक्ट्रेस शर्मिला मांडरे बेंगलुरु में एक सड़क हादसे में दुर्घटनाग्रस्त हो गई हैं। शर्मिला के साथ कार में उनके दोस्त लोकेश वसंत भी थे। बताया जा रहा है कि हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। इसके बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। ट्रैफिक पुलिस की शुरुआती जांच में यह जानकारी मिली है कि वसंत नगर के अंडरब्रिज के पास तड़के करीब तीन बजे यह हादसा हुआ है। पुलिस का कहना है कि जब उनकी टीम मौके पर पहुंची तो एक शख्स अचानक से सामने आया और उसे दावा किया कि ड्राइविंग वही कर रहा था।

झूठी गवाही दे रहा था एक शख्स

पुलिस का कहना है कि जब उन्होंने ड्राइवर से आगे की पूछताछ शुरू की तो उसने किसी का भी नाम नहीं लिया। बल्कि वह बार-बार पुलिस से यह कहता रहा कि गलती सिर्फ मेरी है, और सभी को छोड़ दीजिए। इसके बाद पुलिस ने जब उसे बताया कि यह बहुत बड़ा अपराध है और बिना केस के वह छूट नहीं सकता है। बल्कि झूठी गवाही के कारण उस पर भी केस दर्ज हो सकता है तो वह वहां से भाग खड़ा हुआ।

पुलिस को अभी बयान का इंतजार

इस छानबीन के दौरान पुलिस को सूचना मिली की पास के ही एक निजी अस्पताल में दो लोग एडमिट हुए हैं। दुर्घटना के बाद एडमिट होने की जानकारी होने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। हालांकि यहां पर दोनों का इलाज चल रहा था। पुलिस को अब भी दोनों के बयान का इंतजार है। अस्पताल प्रशासन की तरफ से भी पुलिस को अभी स्पष्ट रूप से कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

लॉकडाउन पास भी नहीं था

पुलिस यह जरूर कह रही है कि लॉकडाउन के दौरान उनके पास बाहर निकलने का कोई पास नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस मानकर चल रही है कि वे देर रात घूमने निकले होंगे और फिर यह हादसा हुआ होगा।

कोरोना आपदा में मदद के लिए अब आगे आए दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह

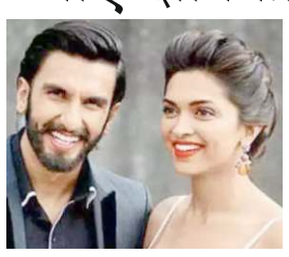

कोरोना वायरस से लड़ने के लिए पूरी दुनिया जद्दोजहद कर रही है। भारत में भी इस वायरस को हराने के लिए पूरा देश एक साथ है। लॉकडाउन के बीच सिलेब्स लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ा रहे हैं। अब रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने प्रधानमंत्री के PM CARES Fund में डोनेशन देने का प्रण किया है। भारत में लॉकडाउन के दौरान लोगों की मदद के लिए सिलेब्स आगे आ रहे हैं। सलमान खान, शाहरुख खान, करीना-सैफ, एकता कपूर और कई साउथ स्टार्स के बाद अब दीपिका और रणवीर ने भी PM CARES Fund में कॉन्ट्रिब्यूशन देने का फैसला लिया है। संकट की घड़ी में हैं साथ रणवीर और दीपिका दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर इस बारे में शेयर किया है, 'मौजूदा परिस्थितियों में छोटे से छोटा प्रयास भी मायने रखता है। हम पूरी विनम्रता के साथ PM-CARE FUND में योगदान देने का संकल्प लेते हैं और आशा है कि आप भी इसमें योगदान देंगे। इस संकट की घड़ी में हम सब एक साथ हैं।

जय हिंद!'

दीपिका और रणवीर दीपिका-रणवीर कर रहे हैं मजेदार पोस्ट

इस बीच दीपिका और रणवीर मजेदार पोस्ट से अपने फैंस को एंटरटेन भी कर रहे हैं। आइसोलेशन के बीच दीपिका ने कई मजेदार पोस्ट शेयर किए हैं।

जे के स्टार चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 100 से अधिक जीवनजरूरी खाध चीजों की किट वितरण जरूरतमंद को दी जा रही हैं ।
हितेशभाई धोलिया की और से महत्वपूर्ण माहिती मुंबई तरंग के सवांददाता को दी गई हैं । यह सेवा की ज्योति सूरत शहरमें विपुलभाई मोवलिया जी के मार्गदर्शन अनुसार विभिन्न स्थानों में चल रही हैं।

मानवता मेरा धर्म हैः अर्थ ... मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है, और मानवता के बिना मानव जीवन का कोई बड़ा कर्म और अर्थ नहीं है। दुनिया में इस गंभीर स्थिति के दौरान, केवल मानवता के धर्म को एक लेख के रूप में माना जा सकता है ... किसने इस धर्म को कर्म जीवन का सार बनाया? जितना संभव हो उतना भोजन प्राप्त करना .. और श्रमिक परिवार का आशीर्वाद। हमारी निरंतर सेवा 10 दिनों से जारी है जब तक यह लॉक डाउन होता है, हमारी सेवा जारी रहती है अब तक 12000 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया है

सूरत शहेर में अड़ाजन विस्तार के वेस्टर्न सिटी सोसाइटी के समग्र मेंबर ओर रहेवासि ने एवं जय महाकाल ग्रुप सूरत कोरोना के लोग डाउन की वजह से समग्र भारत बंद होने पर श्रमिकों को खाने-पीने की परेशानी ना उठानी पड़े इसलिए 3000 लोगों का सुबह और शाम दोनों समय के खाने की संपूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए केनाल रोड के गिरिधर नगर सोसाइटी में रहते समग्र झोपड़पट्टी और श्रमिक एरिया में दोनों समय खिचड़ी और सब्जी का वितरण चालू कर दिया है जब तक लोग डाउन रहेगा तब तक समग्र सोसाइटी के सभी लोग ने मिलकर श्रमिकों के भोजन की जिम्मेदारी उठाते हुए यह साबित कर दिया है कि सूरत शहर के लोग की मानवता की मिसाल दिन-ब-दिन बहुत बढ़ती रहती है शाथ में हिंदू विचार मंच के समग्र कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राज भाई शेठ भी संपूर्ण रूप से सोसियल डिस्टेंसिंग का संपूर्ण ख्याल रखते हुए 3000 पब्लिक को खाना खिलाने की व्यवस्था को बरकरार रखते हुए सरकार के लोकडाउन के नियम संपूर्ण रूप से ध्यान रखते हुए श्रमिकों का पेट भरने में साथ देते हैं

पाक को करारा जवाब, कश्मीर पर 'अनर्गल' बयान न दें इमरान

नई दिल्ली, कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया की जंग के बीच कश्मीर राग छेड़ने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के बयान पर विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारतीय केंद्र शासित राज्य जम्मू और कश्मीर की स्थिति पर बोलने का पाकिस्तान को कोई हक नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने इमरान को नसीहत देते हुए यह भी कहा कि अगर वह वाकई जम्मू-कश्मीर के लोगों का भला चाहता है तो सीमा-पार आतंकवाद को रोके।

'जम्मू-कश्मीर पर बोलने का पाक को कोई हक नहीं'

इमरान खान के गुरुवार के ट्वीट के बारे में पूछे जाने पर रवीश कुमार ने कहा, 'हमने भारत को लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की अनर्गल टिप्पणियों को देखा है। जहां तक भारतीय केंद्रशासित राज्य जम्मू और कश्मीर का सवाल है तो यह बहुत ही स्पष्ट है कि इससे जुड़े किसी भी पहलू पर पाकिस्तान को बोलने का कोई अधिकार नहीं हैं।'

जम्मू-कश्मीर का वाकई भला चाहता है पाक तो बंद करे आतंकवाद

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा, 'भारत के आंतरिक मामलों में बार-बार दखल देने की कोशिश से उनके दावे स्वीकार्य नहीं हो जाएंगे।' आतंकवाद पर पाकिस्तान को नसीहत देते हुए रवीश कुमार ने कहा, 'अगर पाकिस्तान वाकई जम्मू-कश्मीर के लोगों के कल्याण में योगदान देने चाहता है तो वह सीमा-पार आतंकवाद को खत्म करे और हिंसा व दुष्प्रचार के अभियान के बंद करे।'

क्या कहा था इमरान ने

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार को एक के बाद एक सिलसिलेवार ट्वीट कर भारत के खिलाफ जहर उगला था। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने भारत सरकार द्वारा जारी जम्मू-कश्मीर री-ऑर्गनाइजेशन ऑर्डर 2020 की आलोचना करते हुए इसे सूबे की 'डिमॉग्रफी यानी जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश' करार दिया था।

निरंतर सेवा चल रहा है कोई भुखा ना रहे इसी क्रम में आज लगातार सातवें दिन गरीब असहाय लोगों को बजरंग सेना के बैनर तले नक्षत्रवासीयो के सहयोग से भोजन कराया गया। आज का अन्न दान कालु भाई की तरफ से रहा और रोज की तरह श्रम दान के लिए कालु भाई की टीम ने सहयोग किया। भाई को बहुत बहुत धन्यवाद

तबलीगी के चलते देश में कोरोना केस 3000 पार

नई दिल्ली, तबलीगी जमात की लापरवाही के बेहद गंभीर नतीजे सामने आने लगे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटे में ही कोरोना वायरस संक्रमण के 525 केस सामने आए हैं, जो एक दिन में अब तक का सबसे ज्यादा उछाल है। अब देश में कोरोना के कुल केस बढ़कर 3072 हो चुके हैं। इनमें से 212 लोग इलाज के बाद या तो ठीक हो चुके हैं या देश से बाहर जा चुके हैं। अभी तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कम से कम 58 की हालत नाजुक है।

कम से कम 1023 तबलीगी सदस्यों को कोरोना

कोरोना वायरस के मामलों में पिछले कुछ दिनों से देखी जा रही तेजी के लिए बहुत हद तक तबलीगी जमात की लापरवाही जिम्मेदार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक सामने आए कुल मामलों में 30 प्रतिशत तो सिर्फ 'एक खास स्थान' से जुड़े हुए हैं। यह 'एक खास स्थान' कोई और नहीं बल्कि जमात का मुख्यालय निजामुद्दीन मरकज है, जहां पिछले महीने हुए जलसे में शामिल हुए लोग बड़ी तादाद में कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। अब तक 1023 से ज्यादा तबलीगी सदस्यों में कोरोना की पुष्टि की जा चुकी है। चौंकाने वाली बात- मरीजों में ज्यादातर युवा कोरोना वायरस के बारे में माना जा रहा है कि बुजुर्गों को आसानी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है, लेकिन भारत में आंकड़े चौंकाने वाले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण के सबसे ज्यादा 42 प्रतिशत मामले 21-40 वर्ष की आयु के हैं। 33 प्रतिशत मामले 41-60 वर्ष की उम्र वालों और 17 प्रतिशत मामले 60 वर्ष से अधिक आयु वालों के हैं। 9 प्रतिशत मामले 0-20 वर्ष के एज ग्रुप के हैं।

जय हिंद वंदे मातरम आज रोज अडाजन के केनाल रोड विस्तार में गिरिधर नगर सोसाइटी में पूरी सब्जी एवं खिचड़ी और सब्जी का आयोजन किया हुआ था जिनमें हजारों की संख्या में सभी ने व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पेट भर कर खाना खाया और इसी प्रकार सभी कार्यकर्ताओं ने समर्थन देते हुए सहयोग करते हुए अपनी अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण करके हिंदू विचार मंच एवं तापी उबेश्वर महादेव ग्रुप को सपोर्ट किया और इंडियन क्राइम ब्यूरो इंटेलिजेंस न्यूज़ के सभी रिपोर्टर ने अपनी सेवा व्यवस्था में अपना योगदान दिया

क्राइम रिपोर्टर नीशीत ठक्कर

NGO द्वारा एवरसाइन सीटी 6 में प्रेग्नेंट महिला को आवश्यक खाद्य सामग्री दी गई।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है।
संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल TC No.MAHHIN10161 /2019 Mob: 7666090910 / 9136238225 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।